RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty ●well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses



आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

# चेतना मंच

पेज 7 डिजाइनर पंकज और निधि के लिए...


वर्ष : 26 अंक : 293 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8


# बहराइच में हिंसा और उपद्रव

## भीड ने अस्पताल, बाइक शोरूम, दुकानों व वाहन फूंके, इंटरनेट बंद

**बहराइच (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के बहराइच में दुर्गा मूर्ति विर्सजन के दौरान हुई हिंसा को लेकर जिले में आज भी जबरदस्त तनाव का माहौल है। गोलीबारी में मारे गए रामगोपाल मिश्रा के शव को लेकर सैकड़ों लोग सड़क पर उतर आए हैं। पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए वे दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस बीच बहराइच-सीतापुर हाइवे पर उग्र भीड़ ने दो गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। कई दुकानों में भी तोड़फोड़ और आगजनी की गई है। साथ ही बाइक शोरूम और एक अस्पताल में भी आग लगा दी गई है।

बहराइच में हिंसा के बाद महसी और महाराजगंज इलाके में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गयी है। वहीं सीएम के निर्देश के बाद एसीएस होम दीपक कुमार व एसीएस लॉ एण्ड ऑर्डर अमिताभ यश बहराइच पहुंच गए हैं।

बहराइच में आज सुबह फिर हिंसा भडक गई। यहां परिजनों और ग्रामीणों ने शव को महसी तहसील के मुख्यालय पर रख दिया है। मौके पर भारी फोर्स तैनात है। डीएम, एसपी से लेकर दर्जनों अधिकारी आक्रोशित लोगों को मनाने में जुटे हुए हैं। लेकिन परिजन मानने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया है। वहीं, बहराइच हिंसा को लेकर सीएम योगी ने लखनऊ में हाई लेवल मीटिंग बुलाई है।

आपको बता दें कि 13 अक्टूबर की शाम बहराइच के महसी तहसील के हरदी क्षेत्र के महाराजगंज कस्बे में समुदाय विशेष के मोहल्ले से दुर्गा मूर्ति विसर्जन यात्रा निकल रही थी। आरोप है कि इसी दौरान डीजे बजाने को लेकर दो समुदायों में हिंसक झड़प हो गई। इस बीच कुछ लोगों ने छतों से पथराव शुरू कर दिया, विरोध करने पर फायरिंग कर दी, जिसमें रामगोपाल मिश्रा नामक युवक को गोली लग गई। मारे गये युवक ने एक घर से विशेष समुदाय का झंडा उतारा था। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## दंगाइयों में सख्ती से निपटा जाये : योगी

"उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच हिंसा पर लखनऊ में हाई लेबल मीटिंग की। सीएम ने डीजीपी प्रशांत कुमार से बहराइच हिंसा से जुड़ी ताजा जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद बहराइच के महसी में माहौल बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सभी को सुरक्षा की गारंटी, लेकिन उपद्रवियों और जिनकी लापरवाही से घटना घटी है, ऐसे लोगों को चिह्नित कर कठोरतम कार्रवाई की जये। सीएम ने कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर सख्त एक्शन हो तथा युवक के हत्यारों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाये। जरूरत पड़े तो अधिकारी भेजे जाये। प्रतिमा विसर्जन जारी रहेगा। प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों को मौके पर उपस्थित रहकर धार्मिक संगठनों से संवाद कर समय से प्रतिमा विसर्जन कराने हेतु निर्देशित किया है।

## दर्ज हुई हत्या की एफआईआर

बहराइच मामले में अब्दुल हमीद, सरफराज, फहीम, साहिर खान, ननकऊ और मारफ अली सहित 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। बाकी चार लोग अज्ञात हैं। इस मामले में अब तक 30 से ज्यादा लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उधर, परिजनों और ग्रामीणों ने शव को महसी तहसील के मुख्यालय पर रख दिया है। मौके पर भारी फोर्स तैनात है। डीएम, एसपी से लेकर दर्जनों अधिकारी आक्रोशित लोगों को मनाने में जुटे हुए हैं। लेकिन परिजन मानने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया है। वहीं, बहराइच हिंसा को लेकर सीएम योगी ने लखनऊ में हाई लेवल मीटिंग बुलाई है। उन्होंने दोषियों पर सख्त एक्शन लेने का आदेश दिया है। साथ ही हालात को जल्द से जल्द काबू में करने को कहा है।

दरअसल, 13 अक्टूबर की शाम बहराइच के महसी तहसील के हरदी क्षेत्र के महाराजगंज कस्बे में समुदाय विशेष के मोहल्ले से दुर्गा मूर्ति विसर्जन यात्रा निकल रही थी। आरोप है कि इसी दौरान डीजे बजाने को लेकर दो समुदायों में हिंसक झड़प हो गई। इस बीच कुछ लोगों ने छतों से पथराव शुरू कर दिया, विरोध करने पर फायरिंग कर दी, जिसमें रामगोपाल मिश्रा नामक युवक को गोली लग गई। टना में करीब 15 से अधिक लोग घायल भी हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने रामगोपाल मिश्रा को मृत घोषित कर दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## छिजारसी व मॉडल टाउन गोल चक्कर पर बनेंगे एफओबी

**नोएडा (चेतना मंच)।** छिजारसी तथा मॉडल टाउन गोल चक्कर पर फुटओवर ब्रिज बनाये जाएंगे। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर एक और फुटओवर ब्रिज (एफओबी) का काम दिसंबर में शुरू होगा। यह एफओबी मॉडल टाउन गोलचक्कर के पास छिजारसी की तरफ बनाया जाएगा। इसके अलावा नोएडा सेक्टर-62-63 को जोड़ने के लिए भी मॉडल टाउन गोलचक्कर के पास एफओबी बनेगा। इसे लेकर नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर पर वाहनों का काफी दबाव रहता है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से आकर काफी संख्या में वाहन नोएडा में प्रवेश करते हैं। इस गोलचक्कर के पास एक तरफ नोएडा और दूसरी तरफ गाजियाबाद का हिस्सा है। इस एक्सप्रेसवे से काफी लंबी दूरी की बसें गुजरती हैं। यहां पर इनका स्टॉप है। इससे लोग एक-दूसरे हिस्से में आते-जाते हैं। ऐसे में लोगों के सुरक्षित सफर के लिए दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर एक और एफओबी बनाने का निर्णय लिया गया है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## दिल्लीवासी नहीं फोड़ पायेंगे पटाखे, 1 जनवरी तक प्रतिबंध लागू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली सरकार ने राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। सरकार की ओर से सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए आज यानी सोमवार (14 अक्टूबर) से 1 जनवरी तक पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री व उपयोग पर प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। वहीं, प्रतिबंध को लेकर दिल्ली सरकार ने निर्देश जारी कर दिया है। सभी दिल्ली वालों से सहयोग का अनुरोध किया गया है। राजधानी दिल्ली में सर्दी की शुरू होने से पहले ही प्रदूषण की स्थिति गंभीर होती जा रही है। दशहरे के बाद एनसीआर में प्रदूषण का स्तर बढ़ गया, जिससे दिल्ली और एनसीआर के अधिकांश प्रमुख शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 के पार पहुंच गया। इससे हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में पहुंच गई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की सब कमेटी की बैठक में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति और ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) लागू करने के विकल्पों पर चर्चा हुई। इसमें तय किया गया कि अगर प्रदूषण के स्तर में सुधार नहीं होता है, तो एक या दो दिन में ग्रेप के पहले चरण के प्रतिबंध लागू किए जाएंगे।

## मंदिर में मूर्ति की खंडित पुलिस ने लगवाई नई

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** थाना जारचा के ग्राम छोलस में स्थित मंदिर में कुछ अराजक तत्वों ने भगवान की मूर्ति खंडित कर दी। इस की जानकारी मंदिर के पुजारी के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। पुजारी ने बताया कि वो बाहर गए थे, जब रात्रि में वापिस लौट कर आये तो मंदिर परिसर में मूर्ति खंडित मिली। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा ने बताया कि उक्त सूचना पर तत्काल थाना जारचा पुलिस व अन्य उच्चाधिकारी मौके पर पहुँचे। तथा खंडित मूर्ति को विसर्जित कर नई मूर्ति विधि विधान से पुनः स्थापित कर दी गई है। पुलिस बल मौके पर मौजूद है।

## हापुड़ से मुंबई तक शुरू हुई ट्रेन

**हापुड (एजेंसी)।** मायानगरी के नाम से मशहूर मुंबई तक का सफर अब हापुड़ के लोगों के लिए भी आसान हो गया है। अब हापुड़ के लोगों को मुंबई तक का सफर करने के लिए दिल्ली से ट्रेन पकड़ने की आवश्यकता नहीं है। रेलवे ने बांद्रा-लालकुआं सुपरफास्ट का संचालन शुरू कराया है, इस ट्रेन का ठहराव हापुड़ रेलवे स्टेशन पर भी दिया गया है।

ट्रेन का सोमवार को संचालन शुरू हो गया। जबकि रविवार को ट्रेन का इनागरल संचालन कराया गया। हापुड़ के बड़ी संख्या में लोग मुंबई में व्यापार करते हैं। जिसके चलते व्यापारियों का वहां पर आवागमन लगा रहता है। इसके अलावा अभिनय से जुड़े लोगों का भी मुंबई में आना जाना लगा रहता है।

बड़ी संख्या में लोगों का वहां पर आना जाना लगा रहता है, लेकिन हापुड़ से सीधा मुंबई के लिए ट्रेन नहीं थी, जिसके चलते लोगों को मुंबई जाने के लिए दिल्ली से ट्रेन पकड़नी पड़ती थी। ऐसे में उन्हें बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब हापुड़ का रेल संपर्क मुंबई से भी जुड़ गया है, जिससे लोगों को बेहद आसानी हो जाएगी।

## सेक्टर-162 में 5 एकड़ में बनेगी गौशाला

**नोएडा (चेतना मंच)।** सड़क पर विचरण करते तथा पोलीथीन खाकर बीमार पड़ते गौवंशों के संरक्षण के लिए नोएडा प्राधिकरण ने कमर कस ली है। अब सेक्टर-162 में 5 एकड़ में गौशाला का निर्माण किया जाएगा।

नोएडा में वर्तमान में दो गौशालाएं हैं। जिनमें एक सेक्टर 135 में 841 गोवंश और दूसरी सेक्टर 14 में 790 गोवंश हैं। जिनका रखरखाव अलग-अलग संस्थाओं की ओर से किया जा रहा है। इसके अलावा डूब क्षेत्र में कई और गौ शाला चल रही है। नई गौशाला में पुरानी दोनों गौ शाला से गाय को शिफ्ट भी किया जाएगा। ताकि सभी गाय का रख रखाव बेहतर तरीके से हो सके।

प्राधिकरण अधिकारी ने बताया कि गोशाला को मॉडल रूप में विकसित किया जााएगा। गोबर व गोमूत्र से तमाम उत्पाद बनाए जाएंगे। इन उत्पादों की बिक्री से प्राप्त धनराशि रखरखाव पर खर्च की जाएगी। छह महीने में इस गोशाला का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके संचालन के लिए किसी एक एनजीओ के साथ अनुबंध किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गोशाला को और सुंदर बनाने के लिए कई प्रयास किए जाएंगे। तमाम लोग रोजाना गोवंशों को छूना शुभ मानते हैं। वे यहां आ सकेंगे। उनको खाना खिला सकेंगे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

## सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत लगेंगे 2100 कैमरे

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा में अब सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत 561 स्थानों पर 2100 कैमरे लगाए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट में 212 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

सीईओ लोकेश एम ने बताया कि सेफ सिटी से संबंधित सभी कागजी दस्तावेज का काम पूरा किया जा चुका है। कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा।

सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत 561 लोकेशन पर अतिरिक्त 2100 सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा। यह कैमरे नाइट विजन व फेस डिटेक्शन कैमरे होंगे, जो इंट्रीग्रेटेड सिक्योरिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आइएसटीएमएस) के कैमरों से बिलकुल अलग होंगे। मानिटरिंग के लिए अलग से कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा। इनका वाहनों के चालान से कोई संबंध नहीं होगा, लेकिन सुरक्षा के तहत वाहनों की नंबर प्लेट व उसमें बैठे लोग भी साफ तौर पर कैमरे की नजर से देखा जा सकेगा।

बदमाशों का डाटा पुलिस के पास पहले से है। ऐसे में कोई भी बदमाश यदि इन कैमरों के पास गुजरता है तो उसकी लाइव लोकेशन और पूरा डाटा कंट्रोल रूम में दिखाई देगा। सेफ सिटी के कंट्रोल रूम सीधे पुलिस मुख्यालय में बने कंट्रोल रूम से जुड़े होंगे। कोई भी सूचना मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन, पुलिस चौकी, पीआरवी, डायल-112 को जानकारी दी जा सकेगी।

इस योजना के तहत पुलिस कंट्रोल रूम की तर्ज पर थाने चौकी में भी मॉनिटरिंग स्क्रीन लगाई जाएगी। इन स्क्रीन को कंट्रोल रूम से एक्सेस भी दिया जाएगा, जो वहां पर दो ही घटनाओं पर अलग-अलग कलर में ब्लिंक करेगा। पहली घटना जहां महिला अकेली खड़ी है और दूसरा जहां भीड़ भाड़ के कारण घटना होने की संभावना है। परियोजना के तहत शहर में सेव अवर सोल (एसओएस) भी लगाए गए है, जिसमे आपातकाल के समय आप तुरंत पुलिस को किसी भी घटना की जानकारी दे सकते है।

सेफ सिटी प्रोजेक्ट को पूरा करने में करीब 212 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। ये पैसा नोएडा प्राधिकरण खर्च करेगा। एक सप्ताह में आरएफपी प्रक्रिया की जाएगी। चुनी जाने वाली कंपनी का काम सीसीटीवी कैमरों को इंस्टॉल करना, ऑपटिकल फाइबर लाइन डालना, पोल और उसकी मॉनिटरिंग की ट्रैनिंग देना होगा। इस को 6 से 9 महीने में पूरा किया जाएगा। संभवत: ये योजना 2025 तक पूरी होगी।

सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत जिन स्थानों की सूची पुलिस विभाग ने दी। उसमे बाजार, (शेष पृष्ठ-3 पर)

## महंगाई पर फिक्रमंद

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि महंगाई के आंकड़ों पर काबू पाने का वास्तविक लाभ आम उपभोक्ता को कैसे और कब मिलेगा। कोशिश की जानी चाहिए कि त्योहार के मौसम में आम आदमी को दैनिक उपभोग की वस्तुएं मसलन खाद्यान्न, सब्जी-फल, डेरी उत्पाद व खाद्य तेल वाजिब दामों में मिले। तभी महंगाई पर नियंत्रण के सरकारी दावे सिरे चढ़ सकेंगे।

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे प्रभो! मेरे पिता के घर बहुत बड़ा उत्सव है। यदि आपकी आज्ञा हो तो हे कृपाधाम! मैं आदर सहित उसे देखने जाऊँ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**कहेहु नीक मोरेहूँ मन भावा। यह अनुचित नहिं नेवत पठावा॥**

**दच्छ सकल निज सुता बोलाईं। हमरें बयर तुम्हउ बिसराईं॥**

शिवजी ने कहा- तुमने बात तो अच्छी कही, यह मेरे मन को भी पसंद आई पर उन्होंने न्योता नहीं भेजा, यह अनुचित है। दक्ष ने अपनी सब लड़कियों को बुलाया है, किन्तु हमारे बैर के कारण उन्होंने तुमको भी भुला दिया॥

**ब्रह्मसभाँ हम सन दुखु माना। तेहि तें अजहुँ करहिं अपमाना॥**

**जौं बिनु बोलें जाहु भवानी। रहइ न सीलु सनेहु न कानी॥**

एक बार ब्रह्मा की सभा में हम से अप्रसन्न हो गए थे, उसी से वे अब भी हमारा अपमान करते हैं। हे भवानी! जो तुम बिना बुलाए जाओगी तो न शील-स्नेह ही रहेगा और न मान-मर्यादा ही रहेगी॥

**जदपि मित्र प्रभु पितु गुर गेहा। जाइअ बिनु बोलेहुँ न सँदेहा॥**

**तदपि बिरोध मान जहँ कोई। तहाँ गएँ कल्यानु न होई॥**

यद्यपि इसमें संदेह नहीं कि मित्र, स्वामी, पिता और गुरु के घर बिना बुलाए भी जाना चाहिए तो भी जहाँ कोई विरोध मानता हो, उसके घर जाने से कल्याण नहीं होता॥

(क्रमशः...)

# राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सफलता का रहस्य

इस वर्ष 2024 विजयादशमी का पावन पर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष का शुभारम्भ है। हिन्दू संगठन और राष्ट्र को परमवैभव पर ले जाने के जिस उद्देश्य को लेकर सन 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में डा. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। उस ध्येय पथ पर संघ निरन्तर बढ़ता जा रहा है। किसी भी जीवंत संगठन के लिए शताब्दी वर्ष तक की यात्रा बहुत ही महत्वपूर्ण मानी जाती है। कोई भी संगठन किसी निश्चित उद्देश्य से बनता है और दस,बीस, पचास साल में उसकी महत्ता घट जाती है। जबकि संघ में ऐसा नहीं है। अभी भी संघ बूढ़ा नहीं बल्कि चिरयुवा है। इस सुदीर्घ यात्रा में संघ ने राष्ट्र के नवोत्थान का पथ आलोकित किया है। देशवासियों में देश के प्रति निष्ठा व समर्पण का भाव जगाया है।

अब तक की यात्रा में हिन्दू संगठन के साथ-साथ आम लोगों का विश्वास जीतने और राष्ट्र जागरण के प्रयास में संघ पूर्णतया सफल रहा है। देश दुनिया में आरएसएस नाम से विख्यात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है। संघ की तुलना किसी दूसरे संगठन से नहीं कर सकते क्योंकि तुलना करने के लिए भी इसके जैसा कोई होना चाहिए। इसीलिए बहुत से लोग स्वार्थवश संघ को बुरा भला कहते हैं। कुछ लोग अज्ञानवश भी संघ की आलोचना करते हैं क्योंकि उनको संघ की असलियत पता नहीं है।

नागपुर से शुरू हुआ संघ विशाल वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है। इस वटवृक्ष की छांव में भारत की संस्कृति और परम्परा पुष्पित पल्लवित हो रही है। आज 50 से अधिक संगठन विविध क्षेत्रों में संघ से प्रेरणा लेकर कार्य कर रहे हैं। यह सभी संगठन स्वायत्त जरूर हैं लेकिन उनके पीछे संघ की शक्ति ही सक्रिय है। विविध क्षेत्रों में कार्य करने वाले संघ के आनुषांगिक संगठन विश्व के शीर्ष संगठनों में शुमार हैं। चाहे किसान संघ हो, मजदूर संघ हो, विद्यार्थी परिषद हो, वनवासी बंधुओं के बीच कार्य करने वाला संगठन वनवासी कल्याण आश्रम हो, शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती,धर्म के क्षेत्र में सक्रिय विश्व हिन्दू परिषद हो या फिर राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय भारतीय जनता पार्टी। यह सब विश्व में चोटी के संगठन हैं। कुल मिलाकर देखेंगे तो पायेंगे समाजजीवन का ऐसा कोई क्षेत्र अक्षूता नहीं है जिस क्षेत्र में संघ के कार्यकर्ता काम न कर रहे हों। लोगों के लिए यह आश्चर्य का विषय है कि ऐसी कौन सी शक्ति या विजन है कि संघ इतना पुराना संगठन होने के बावजूद उसकी शक्ति नित्य—प्रति बढ़ती जा रहै। लोग कहते हैं कि आखिर संघ की सफलता का रहस्य क्या है? यह जानने के लिए संघ स्थापना की पृष्ठभूमि पर गौर करना आवश्यक होगा। डा. हेडगेवार ने राष्ट्र की समस्याओं का आकलन किया और उनके समाधान के सूत्र खोजे।

जिसमें प्रमुख कारण था देशभक्ति का अभाव। आपसी संबंधों का अभाव। जागरूकता का अभाव। इसके लिए संघ संस्थापक ने शाखा नामक अभिनव कार्यपद्धति विकसित की। डा. हेडगेवार ने कहा कि हम शाखा के माध्यम से स्वयंसेवक तैयार करेंगे और यही स्वयंसेवक ही आगे चलकर समाज में बदलाव लायेंगे।

### नित्य प्रति लगने वाली शाखा

डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने सन 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में संघ की स्थापना की। प्रथम संघ की शाखा मोहिते का बाड़ा में शुरू हुई। इसके बाद शाखा का विस्तार होता गया। व्यक्ति निर्माण में शाखा का प्रयोग अद्धितीय अनुपम व अनूठा है। संघ की सफलता का रहस्य शाखा में ही निहित है। अनेकों संगठन संघ की भांति शाखा चलाने की बात करते हैं लेकिन उन्हें यह पता नहीं कि शाखा चलाने के लिए अनेकों स्थानीय कार्यकर्ता व प्रचारकों की लम्बी श्रंखला का कठोर परिश्रम तथा समय लगता है। इसी त्याग तपस्या का प्रतिफल है शाखा। शाखा के माध्यम से संघ ने व्यक्ति निर्माण करने में सफलता प्राप्त की है। शाखा प्रतिदिन 60 मिनट की ही लगती है। शाखा के कार्यक्रम तय हैं। पूरे एक घंटे का शारीरिक व बौद्धिक कार्यक्रमों का नियोजन है। शाखा का प्रारम्भ व विकिर (समापन) सीटी से होता है। शाखा के कार्यक्रमों से स्वयंसेवकों में विविध गुणों का विकास होता है। देश का कार्य करने के लिए अपना शरीर सशक्त होना चाहिए। इसके लिए व्यायाम आवश्यक है। प्रतिदिन शारीरिक कार्यक्रम होते हैं। शाखा में मुख्य शिक्षक की आज्ञा का पालन सब करते हैं चाहे संघ के सरसंघचालक ही क्यों न हों।

मुख्य शिक्षक की आज्ञा होती है अग्रेसर। शाखा में कितनी भी अधिक संख्या क्यों न हो जो स्वयंसेवक अग्रेसर रेखा पर आ गया शेष सब स्वयंसेवक अग्रेसर के पीछे ही खड़े होते हैं,फिर आयु या कद का बंधन नहीं रहता है। उसी तरह संघ में एकसह सम्पत एक आज्ञा होती है। इसका अर्थ होता है एक लाइन में खड़े होना। इसमें भी कोई भी स्वयंसेवक जो पहले आकर खड़ा हुआ उसके बगल में ही सब खड़े होंगे। छोटे बड़े का कोई भेद नहीं। शाखा में आने वाले सभी स्वयंसेवक एक दूसरे को भाई साहब कहकर अभिवादन करते हैं। पांच साल का स्वयंसेवक भी 70 साल के स्वयंसेवक को भाई साहब ही कहता है। स्वयंसेवकों में यह भाव पैदा किया जाता है कि हम सभी भारत माता के पुत्र हैं तो हम सब आपस में भाई-भाई हैं। संघ शाखा के इसी भाव के द्वारा ही नित्य सिद्ध शक्ति खड़ी होती है।

### प्रचारक पद्धति

डा. हेडगेवार ने नागपुर से बाहर अन्य प्रदेशों में संघ कार्य विस्तार के लिए युवाओं को भेजना शुरू किया। तब से प्रचारक पद्धति शुरू हो गयी। संघ में प्रचारक ऋषि परम्परा के समान साधक माने जाते हैं। संघ के स्वयंसेवक प्रचारकों को अपना आदर्श मानते हैं। संघ कार्य की मुख्य धुरी प्रचारक ही होते हैं। इन प्रचारकों के भोजन जलपान इत्यादि की चिंता स्वयंसेवक ही करते हैं। प्रचारक पूरा समय देकर संघ का कार्य करता है। प्रचारक हिन्दू-हिन्दू भाई का केवल गीत नहीं गाते हैं उसे जीवन में उतारते हैं। रज्जू भैया,अशोक सिंघल जैसे अनेकानेक युवा जो प्रचारक निकले क्षमता प्रतिभा की कोई कमी नहीं थी। पर सब कुछ संघ में रहकर भारत मां के चरणों में समर्पित कर दिया। बड़ी संख्या में निकले इन प्रचारकों के कारण ही संघ का काम तेजी से बढ़ा है। संघ के प्रचारक की दिनचर्या प्रात: चार बजे से शुरू होकर रात 11 बजे से पहले सोने का कोई प्रश्न ही नहीं होता।

प्रचारक चार बजे अवश्य जग जाता है क्योंकि उसे नित्य प्रभात की शाखा पर प्रवास करना होता है। प्रचारक के नाते जिस क्षेत्र में वह है वहां संघ का काम बढ़े बस यही उसकी अपेक्षा रहती है। प्रचारकों का समय-समय पर स्थान परिवर्तन भी होता रहता है। यह भी गारंटी नहीं कि उनका काम अच्छा रहेगा तो वहीं रहेंगे। उनका कार्यक्षेत्र यहां तक कि एक संगठन से दूसरे संगठन में भी भेजा जाता है। जब पंजाब में खालिस्तानी उग्रवाद चरम पर था। बिना केश कृपाण वालों की कब हत्या हो जाए ऐसे संकट के काल में पूरे देश से प्रचारक पंजाब भेजे गए। अनेक प्रचारकों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। कुछ समय पहले तक यही हाल काश्मीर का भी था। समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में जो आज परिवर्तन दिखाई दे रहा है उस परिवर्तन के पीछे संघ से भेजे गये प्रचारकों की मेहनत ही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय,अटल बिहारी बाजपेई, दत्तोपंत ठेंगड़ी, मोरोपंत पिंगले और नरेन्द्र मोदी प्रचारक परम्परा के ही प्रासाद हैं।

### संघ कार्य का आधार स्थानीय कार्यकर्ता

संघ में सम्पूर्ण कार्य का मुख्य आधार सामान्य स्वयंसेवक ही है। जो विद्यार्थी है,व्यवसायी है किसान है या गृहस्थी चलाने के लिए अन्य कोई कार्य करता है। संघ का वास्तविक आधार समाज का वही सामान्य नागरिक है। संघचालक,कार्यवाह तथा सामान्य जीवन जीने वाले अन्यान्य स्वयंसेवक सब प्रकार के व्यक्तिगत मोह,ममता,सुख दुख काम धंधे के खतरे को उठाते हुए संघ का काम करते हैं। संघ ने सम्पूर्ण समाज से केवल एक प्रतिशत लोगों को आने के लिए कहा। उन एक प्रतिशत से भी कहा कि आपका केवल 24 घंटे से मात्र एक घंटे ही चाहिए। शाखा लगाने से लेकर संघ के सारे कार्य स्थानीय कार्यकर्ता ही करते हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं के बल पर ही संघ बढ़ता है। प्रचारकों की चिंता से लेकर संगठन की मीटिंग बैठक,कार्यक्रम व वर्गों की व्यवस्था स्वयंसेवक ही करते हैं। संघ के स्वयंसेवक वर्ष में एक बार गुरू दक्षिणा करते हैं। इसी से संघ का खर्चा चलता है।

### आत्मीयता

संघ में कहा जाता है कि शुद्ध सात्विक कार्य अपने कार्य का आधार है। तो यह केवल कहा ही नहीं जाता है बल्कि यह वास्तविकता भी है। आत्मीयता ही संघ कार्य का आधार है। संघ के कार्यकर्ता बिना लोभ लालच व राग द्वेष के बिन नि:स्वार्थ भाव से अहर्निश संघ कार्य करते हैं। यह सब आत्मीयता के कारण। क्योंकि संघ में प्रचारकों व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का इतना स्नेह मिलता है कि कार्यकर्ता उस काम को पूरा करने के लिए प्राण प्रण से जुटा रहता है। अपनी नौकरी से समय निकाल लेगा, घर के कामों से संघ के कामों के लिए समय निकाल लेगा। भारतभर में अनेक संगठन हैं लेकिन जो आत्मीयता का भाव संघ में है उस प्रकार की आत्मीयता का भाव अन्य किसी भी संगठन में नहीं है। आत्मीयता ही संघ की रीति नीति प्रकृति व स्वभाव बन गया है। जब संघ का स्वयंसेवक एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में जाता है तो वहां वह यह अनुभव करता है। मैं संघ का स्वयंसेवक हूं बस इतना सुनते ही भाव बदल जाता है। नागपुर में पूरे देश से लोग तृतीय वर्ष करने आते हैं। एक साथ रहते हैं। हर एक गण में कम से 10 प्रान्तों के कार्यकर्ता रहते हैं। इसी तरह गट में भी अलग -अलग प्रान्तों के कार्यकर्ता रहते हैं। अलग भाषा-भाषी और खान-पान होने के बाद भी परस्पर इतनी आत्मीयता रहती है कि वह बंधु भाव जीवन पर्यन्त बना रहता है।

**नागपुर से शुरू हुआ संघ विशाल वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है। इस वटवृक्ष की छांव में भारत की संस्कृति और परम्परा पुष्पित पल्लवित हो रही है। आज 50 से अधिक संगठन विविध क्षेत्रों में संघ से प्रेरणा लेकर कार्य कर रहे हैं।**

### विचार

जिस ध्येय की पूर्ति के लिए संघ काम करता है। उसकी स्पष्ट कल्पना कार्यकर्ताओं में होनी चाहिए। राष्ट्र प्रथम,भारत हिन्दू राष्ट्र है। हिन्दू -हिन्दू भाई है। एक जन,एक संस्कृति एक राष्ट्र यही संघ का विचार है। यह देश समाज व राष्ट्र हमारा है। इसकी रक्षा कराना हमारा दायित्व है। विचार यदि आचार न बनते व्यर्थ तत्व का गायन है। इसलिए संघ में जो कहा जाता है वह कार्यकर्ताओं व संघ के पदाधिकारियों के जीवन में दिखता है। अन्यथा हमारे विचार कितने भी श्रेष्ठ क्यों न हों अगर वह जीवन व आचरण में नहीं दिखते तो उसका कोई महत्व नहीं रहता। इसलिए संघ में बंधुभाव व समरसता केवल कहने के लिए नहीं बल्कि है। एक और सबसे महत्व की बात है कि संघ प्रतिक्रियावादी नहीं है।

संघ की एक मति व गति है। उसी गति से संघ काम करता है। संघ कोई भी निर्णय जल्दबाजी, हड़बड़ी या उतावलेपन में नहीं लेता। कोई भी तात्कालिक प्रश्न आने पर संघ व्यग्रता नहीं दिखाता। तात्कालिक प्रश्न सम्मुख आया उसके निराकरण में कितनी शक्ति लगाना इसका योग्य विचार करके ही संघ अपनी शक्ति लगाता है। यही संघ की सफलता का रहस्य है।

**- बृजनन्दन राजू**
**(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार हैं)**

## राशिफल

**आश्विन शुक्ल पक्ष : द्वादशी** | **(विक्रम संवत् 2081)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
मानसिक अवसाद बना रहेगा। मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू तू मैं मैं से बचें।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
कोर्ट कचहरी से बचें। व्यवसायिक किसी भी तरीके से झगड़े-झंझट से बचें। व्यावसायिक विवाद आपके लिए सही नहीं रहेगा।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
अपमानित होने का भय रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान, व्यापार सही चलता रहेगा।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
स्वयं के स्वास्थ्य पे और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान, व्यापार सही चलता रहेगा।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
स्वास्थ्य आपका प्रभावित रहेगा लेकिन शत्रुओं पर नकील आपकी बनी रहेगी। प्रेम, संतान मध्यम, व्यापार लगभग आपका ठीक रहेगा।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू तू मैं मैं से बचें। मानसिक अवसाद की स्थिति रहेगी। व्यापार सही चलता रहेगा।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। प्रेम, संतान ठीक है।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)**
नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान, व्यापार बहुत अच्छा है।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
धन हानि के संकेत हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा और व्यापार भी अच्छा है।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
मानसिक स्थिति गड़बड़ रहेगी। शारीरिक स्थिति मध्यम रहेगी। बेचैनी, घबराहट बनी रहेगी।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
स्वास्थ्य प्रभावित। अनजाना भय सताएगा। एक मानसिक तौर पे और शारीरिक तौर पे खराब करने वाले समय रहेगा।

# भाकियू (अंबावता) संगठन का हुआ विस्तार

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** तहसील दादरी बाईपास के नंबरदार फार्म हाउस पर भारतीय किसान अंबावता संगठन की मीटिंग हुई। जिसकी अध्यक्षता कप्तान राहुल वर्मा ने की। संचालन दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार रूपवास ने किया। जिसमें राष्ट्रीय प्रवक्ता अनीस गाजी एवं प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र प्रधान ने नवनियुक्त पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र दिया।

पवन नागर को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया, विशाल नागर को जिला महासचिव, गौरव शर्मा को सचिव, अशोक, कुणाल, सोनू को सदस्य नियुक्त किया गया। सभी को जिम्मेदारी सौंपते हुए अपने-अपने पद पर कार्य करने को अवगत कराया गया। जिन्होंने अपनी-अपनी जिम्मेदारी लेते हुए ईमानदारी से काम करने को कहा किसान मजदूर गरीब की आवाज उठाने को लेकर शपथ ली। क्योंकि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष की नीतियों को देखते हुए अंबावता संगठन ने जिम्मेदारी ली क्योंकि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष रिशिपाल अंबावत का भी कहना है हर चीज बर्दाश्त है लेकिन किसानों का उत्पीड़न बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं है। किसान मजदूर गरीब का कहीं शोषण होता है तो उसमें अंबावता संगठन बढ़-चढ़कर उसकी लड़ाई को लड़ने का काम करता है।

नियुक्ति पत्र देने के दौरान अनीश गाजी राष्ट्रीय प्रवक्ता रविंद्र प्रधान प्रदेश अध्यक्ष अनिल नागर जिला अध्यक्ष तहसील अध्यक्ष दादरी राजकुमार रूपबास जिला उपाध्यक्ष कपिल खारी पूनम गुर्जर नोएडा महानगर अध्यक्ष प्रदीप भाटी राजपुर प्रदीप नागर अजमेदर युवराज रामनाथ शाहिद कुरेशी मोहम्मद शाकिर रोहित कसाना संजीव भाटी आदि मौजूद थे।

# भाकियू (बलराज) की हुई मासिक बैठक

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कैमराला चक्रसैनपुर स्थित राष्ट्रीय कैम्प कार्यालय पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक हुई। बैठक का संचालन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट विजय प्रताप सिंह ने किया।

बैठक मै पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट सोसायटी निवासियों का पैरामाउंट बिल्डर के तानाशाह रवैए के विरोध मै भारतीय किसान यूनियन बलराज के नेतृत्व मै 22 अगस्त से चल रहे अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन पर महापंचायत की रूप रेखा तैयार की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि पुलिस-प्रशासन ने बार बार झूठे आश्वासन देकर महापंचायत को स्थागित कराया गया है पूर्व मै 8 अक्टूबर को विशाल महापंचायत होनी थी लेकिन 5 अक्टूबर को जिला कलेक्ट्रेट सूरजपुर सभागार मै अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) एसीपी सेन्ट्रल नोएडा, यूपीसीडा आर एम की उपस्थिति में पैरामाउंट बिल्डर के अधिकारियों के साथ बिन्दुवार मिटिंग हुई जिसमें सोसायटी की समस्याओ पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ और समस्याओ के समाधान का 10 अक्टूबर से समाधान का झूठा आश्वासन देकर महापंचायत को स्थागित कराया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने कहा कि पुलिस-प्रशासन खुलेआम बिल्डर का पक्षपात कर रहा है समाधान की बजाय पुलिस धरनारत सोसायटी निवासियों को धमकाने और झूठे मुकदमे में फंसाकर धरने को तोडने का काम कर रही है।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा सिवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट विजय प्रताप सिंह, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रोहित भाटी, राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य जितेन्द्र सिंह,राष्ट्रीय संगठन मन्त्री योगेंद्र भाटी, प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी, प्रदेश सचिव सोनू खारी, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश भडाना, प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष नागर, प्रदेश महासचिव संदीप नागर, प्रदेश उपाध्यक्ष फरमान, प्रदेश संगठन मन्त्री, जिलाध्यक्ष बुलन्दशहर हेमन्त पडिंत, युवा जिलाध्यक्ष लक्की, महानगर अध्यक्ष योगेश वैष्णव, पश्चिमी उत्तर प्रदेश महासचिव अभिषेक, जिला संगठन मन्त्री रिंकू भडाना, प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा शकीना खान, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर रेबा दास,जिला महासचिव एडवोकेट शाहिद, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप नेहरा ब्लाक अध्यक्ष दादरा तपसी, जिला सचिव विनित शर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

# आज हजारों किसान करेंगे कलेक्ट्रेट का घेराव

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** आज अखिल भारतीय किसान सभा के कार्यकर्ताओं ने ग्राम शयोराजपुर, कैलाशपुर बादलपुर और सादोपुर गघंगोला में जन चेतना यात्रा निकाली एवं नुक्कड़ सभाएं की।

नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने कहा कि किसानों के आंदोलन के परिणाम में पूरे गौतमबुद्धनगर के भूमि अधिग्रहण प्रभावित किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए 21 फरवरी को मुख्यमंत्री ने एक समिति का गठन किया था समिति के अध्यक्ष राजस्व परिषद के अध्यक्ष एवं सदस्य मंडल आयुक्त मेरठ और डीएम गौतमबुधनगर बनाए गए थे समिति ने सभी पक्षों की विस्तृत सुनवाई करने के बाद समय सीमा से 3 महीने अधिक देरी से 31 अगस्त 2024 को अपनी सिफारिश मुख्यमंत्री को सौंपी थी। आज किसान कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे।

# भाजपा में हुए शामिल

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** भाजपा ज़िला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने लड़पुरा निवासी अभिषेक भाटी को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता दिलवाई।

# पुण्यतिथि पर डॉ. राम मनोहर लोहिया को किया याद

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** प्रखर समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर सपा कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन कर उनको याद किया।

इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि डॉ. राम लोहिया का पूरा जीवनी सादगी से परिपूर्ण एवं देश की सेवा में समर्पित रहा। उन्होंने देश में गरीबी अमीरी के बीच बढ़ती खाई को पाटने के लिए अहम योगदान दिया। उनकी समाजवादी विचारधारा ने देश का एकीकरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।। लोहिया जी ऐसी समाजवादी व्यवस्था चाहते थे जिसमें सभी की बराबर की हिस्सेदारी रहे। वह कहते थे कि सार्वजनिक धन सहित किसी भी प्रकार की संपत्ति प्रत्येक नागरिक के लिए होनी चाहिए। आज के दौर में उनके विचार और ज्यादा प्रासंगिक है और कहा कि डॉ राम मनोहर लोहिया महान स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रखर समाजवादी चिंतक थे, जिन्होंने जातिवाद, पूंजीवाद और गरीब जनता के प्रति हो रहे शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की। सभी समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को लोहिया जी के पदचिह्नों पर चलते हुए उनकी विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का कार्य इमानदारी से करना चाहिए।

इस मौके पर पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डॉ महेन्द्र नागर, पूर्व जिलाध्यक्ष इन्दर प्रधान, नरेंद्र नागर, जिला महासचिव सुधीर तोमर, एडवोकेट रामशरण नागर, यूनुस प्रधान, कपिल ननका, मोहित यादव, नवीन भाटी, कुलदीप भाटी, सुदेश भाटी, गजेंद्र यादव, अनूप तिवारी, प्रमोद आदि मौजूद रहे।

# गौतमबुद्धनगर ट्रायथलॉन एसोसिएशन ने मल्टी स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का किया आयोजन

**नोएडा ( चेतना मंच )।** खेल-कूद को बढ़ावा देने के मकसद से गौतमबुद्ध नगर ट्रायथलॉन एसोसिएशन की स्थापना के साथ ही एसोसिएशन के द्वारा जिले में प्रथम बार ट्रायथलॉन मल्टी स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। एसोसिएशन के मीडिया कॉर्डिनेटर दीपक विग ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर ट्रायथलॉन एसोसिएशन खेल संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन और प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य ट्रायथलीटों को वह सभी संसाधन प्रदान करना है, जिसके लिए उन्हें खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। इसके साथ ही, हम एथलीटों की सुरक्षा, खेल भावना, और एक स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने की तरफ ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन ने जिला गौतमबुद्ध नगर ट्रायथलॉन मल्टीस्पोर्ट चैंपियनशिप 2024 का आयोजन ग्रेटर नोएडा स्थित वाईएमसीए स्विमिंग पूल पर आयोजित किया। आयोजन से पूर्व एथलीटों के साथ साक्षात्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला क्रीडा अधिकारी अनिता नागर और भागवत रहें।

# इफको फूलपुर में धूमधाम से मनाया गया दशहरा का पर्व

**प्रयागराज ( ब्यूरो।)** इफको घियानगर फूलपुर में दशहरा पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया द्वारा श्रीराम मंदिर में तथा कार्यक्रम स्थल में विधि-विधान से पूजा पाठ से शुरू हुआ।

इस दौरान संक्षिप्त रामायण का चित्रण किया गया जिसमें विशेषत: राम-रावण युद्ध को दर्शाया गया। इफको घियानगर कालोनी में राम,लक्ष्मण,रावण हनुमान व अन्य पात्रों की भव्य शोभा यात्रा श्रृंगार चौकी हाथी,घोड़ा व ऊंट पर निकाली गई जोकि विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके पूर्व माँ दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई तथा 'सिंदूर खेला' में सिन्दूर खेल कर भाव पूर्ण विदाई दिया। मुक्तांगन मैदान में रावण का पुतला दहन किया गया तथा भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया।

वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने अपने संदेश में घियानगरवासियों को दशहरे पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने संक्षिप्त रामलीला में भाग लेने वाले सभी पात्रों को पुरस्कार तथा रावण का अभिनय निभाने वाले मनोज यादव को विशेष पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन इफको रिक्रिएशन क्लब के सचिव डी.के.शुक्ला ने किया।

इस दौरान वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय वैश्य, महाप्रबंधक क्रमश: एम.डी.मिश्र, ए.पी.राजेन्द्रन, संजय भंडारी, पी.के.सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमश: पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, अरूण कुमार, अरवेन्द्र कुमार, पी.के. वर्मा, ए.के.गुप्ता विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश, इफको इम्पलाइज संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विजय कुमार यादव तथा बड़ी संख्या में इफको घियानगर के लोगों ने सपरिवार दशहरे पर्व का आनंद लिया।

## पृष्ठ एक के शेष....

### बहराईच में हिंसा...

घटना में करीब 15 से अधिक लोग घायल भी हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने रामगोपाल मिश्रा को मृत घोषित कर दिया। रामगोपाल की मौत की खबर फैलते ही पूरे जिले में हड़कंप मच गया। लोग सड़कों पर उतर आए। तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। देर रात पोस्टमार्टम के बाद आज सुबह अंतिम संस्कार की तैयारी की। लेकिन परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। हजारों की संख्या में लोग दंडे लेकर सड़क पर उतर आये भी आग जनी करने लगी।

फिलहाल, बहराइच के हरदी थाना क्षेत्र के महराजगंज में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा पर पथराव व गोलीबारी के बाद तनाव बरकरार है। शांति-व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

परिवारजन के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग लाठी-डंडे के साथ रामगोपाल का शव लेकर तहसील परिसर की ओर चल दिए। इस बीच बहराइच की महिला डीएम मोनिका रानी महिलाओं को समझाती नजर आईं। मौके पर एसपी वृंदा शुक्ला भी मौजूद रहीं। इन सबके बीच आज सुबह भी इलाके में तोड़फोड़ और आगजनी हुई। कुछ लोगों ने दुकानों को आग के हवाले कर दिया। जिसके चलते प्रभावित क्षेत्र में पीएसी लगाई है उग्र लोगों ने एक अस्पताल, बाइक शोरूम में भी आग लगा दी।

हरदी पुलिस ने विरोध कर रहे बहुसंख्यक समाज के लोगों पर ही जमकर लाठियां भांजी। कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद बाद भोर में शव घर पहुंचा। यहां तहसीलदार को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। बवाल के बाद पुलिस ने संदिग्धों को हिरासत में लेना शुरू किया है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार सिंह ने बताया कि सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात है।

### दर्ज हुई हत्या

रामगोपाल की मौत की खबर फैलते ही पूरे जिले में हड़कंप मच गया। लोग सड़कों पर उतर आए। तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। देर रात पोस्टमार्टम के बाद आज सुबह अंतिम संस्कार की तैयारी है।

फिलहाल, बहराइच के हरदी थाना क्षेत्र के महराजगंज में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा पर पथराव व गोलीबारी के बाद तनाव बरकरार है। शांति-व्यवस्था के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं, गोलीकांड में मारे गए रामगोपाल का शव सोमवार तड़के गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया।

परिवारजन के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग लाठी-डंडे के साथ रामगोपाल का शव लेकर तहसील परिसर की ओर चल दिए। इस बीच बहराइच की महिला डीएम मोनिका रानी महिलाओं को समझाती नजर आईं। मौके पर एसपी वृंदा शुक्ला भी मौजूद रहीं। इन सबके बीच आज सुबह भी इलाके में तोड़फोड़ और आगजनी हुई। कुछ लोगों ने दुकानों को आग के हवाले कर दिया। जिसके चलते प्रभावित क्षेत्र में पीएसी लगाई है।

### छिजारसी व मॉडल...

नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री ने बताया कि सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर से कुछ दूर छिजारसी की तरफ चलते ही एक्सप्रेसवे को पार करने के लिए यह एफओबी बनाया जाएगा।

यह एफओबी एस्केलेटर युक्त होगा। अभी एक एफओबी एक्सपो मार्ट के सामने एक्सप्रेसवे को पार करने के लिए बना हुआ है।

एसीईओ ने बताया कि एक अन्य एफओबी मॉडल टाउन गोलचक्कर के पास ही नोएडा के आंतरिक हिस्से को जोड़ने के लिए बनाया जाएगा। यहां काफी संख्या में पैदल लोगों का आवागमन रहता है। एफओबी बनने से जाम में कमी आएगी। एसीईओ ने बताया कि यातायात व्यवस्था बेहतर करने के लिए इन दोनों एफओबी और अन्य काम को एक सप्ताह में सैद्धांतिक मंजूरी दे दी जाएगी। इसके बाद आगे की प्रक्रिया होगी। इन एफओबी का निर्माण इस साल अंत या अगले साल की शुरुआत में शुरू करने की तैयारी है

### सेफ सिटी प्रोजेक्ट के ...

सरकारी निजी स्कूल, ब्लैक स्पाट और भीड़ भाड़ वाले इलाके मेट्रो स्टेशन , बस स्टैंड , मॉल्स के बाहर स्थान शामिल है। सेफ सिटी परियोजना के तहत गौतमबुद्ध नगर को दो हिस्सों में बांटा गया है। पहला नोएडा और दूसरा ग्रेटरनोएडा। यानी सीसीटीवी कैमरों का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर दोनों प्राधिकरण (नोएडा प्राधिकरण और ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण) बनाएंगे। और इसका संचालन पुलिस विभाग की ओर से किया जाएगा।

### सेक्टर-162 में 5 एकड़...

इस गोशाला से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, ताकि इसे जनसहभागिता से बहुत अच्छी तरीके से संचालित किया जा सके। उन्होंने बताया कि गोमूत्र से फिनायल, गाय के गोबर से उपले, घी वाले दीये जैसे तमाम उत्पाद बनाए जाते हैं। लोग इन उत्पादों को खरीद सकते हैं।

**दैनिक चेतना मंच**

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी ( मेंहदीपुर ) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर ( यू पी. ) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

# ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने अपने शब्दकोश में जोड़ी भारत की 13वीं भाषा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की 'शास्त्रीय भाषाओं' की सूची को बढ़ाकर पिछले हफ्ते 11 कर दिया है, जिसमें मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली के साथ तमिल, संस्कृत, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और ओडिया भी शामिल हैं। संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने कई कदम उठाए थे, जिसकी वजह से 2005 में इसे 'शास्त्रीय' भाषा का दर्जा मिला। आज ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ओयूपी-ओयूपी) ने ऑक्सफोर्ड संस्कृत-हिंदी-इंग्लिश डिक्शनरी लॉन्च की, जिसका मकसद संस्कृत का संरक्षण और इसे दुनियाभर के लोगों के लिए सुलभ बनाना है। इसके साथ ही, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी की द्विभाषी शब्दकोशों की सूची में अब 13 भाषाएं (जिनमें 9 शास्त्रीय भाषाएं हैं) कवर की जा रही हैं। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी अब संस्कृत, बंगाली, असमिया, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, तमिल, तेलुगू, मराठी, गुजराती, पंजाबी, उर्दू और हिंदी में उपलब्ध है। नई ऑक्सफोर्ड संस्कृत-हिंदी-इंग्लिश डिक्शनरी में 25,000 से ज्यादा सावधानीपूर्वक चुने गए शब्द शामिल हैं, जिन्हें खासतौर पर संस्कृत सीखने वालों के लिए उपयोगी और प्रासंगिक बनाया गया है। इसका उद्देश्य है कि अगले 10 सालों में हर संस्कृत विद्यार्थी इस भाषा को आसानी से बोलने और समझने में सक्षम हो सके।यह डिक्शनरी उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम के साथ मिलकर प्रकाशित की गई है। क्स्स लखनऊ में स्थित है और यह संस्था संस्कृत भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने, संरक्षित करने और इसके प्रचार के लिए समर्पित है। इस डिक्शनरी के लॉन्च की घोषणा करते हुए, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया के प्रबंध निदेशक, श्री सुमंता दत्ता ने कहा, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस भाषाओं के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। तीन भाषाओं की यह डिक्शनरी न सिर्फ भाषा सीखने में मदद करेगी, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को भी बढ़ावा देगी। यह संस्कृत सीखने वाले छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है और एनईपी 2020 और एनसीएफ 2023 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी की यह समृद्ध विरासत हमें दुनिया का प्रमुख डिक्शनरी प्रकाशक बनाती है।

# मुकेश अंबानी की कंपनी देगी एक शेयर पर एक शेयर फ्री

**नईदिल्ली, एजेंसी।** मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक शेयर पर एक शेयर बोनस देगी। रिलायंस ने दी जानकारी में बताया था कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने एनुअल जनरल मीटिंग में 1 शेयर पर एक शेयर बोनस के लिए अप्रूवल दिया था। इसका मतलब यह है योग्य निवेशकों को कंपनी की तरफ से 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर अतिरिक्त मिलेगा। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी दिवाली से पहले निवेशकों को बड़ा तोहफा दे सकती है। बता दें, हालांकि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अभी तक बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। मुकेश अंबानी की इस कंपनी की बोर्ड मीटिंग कल यानी 14 अक्टूबर को होनी है। इसी मीटिंग में कंपनी की तरफ से बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया जा सकता है। इसी दिन कंपनी की तरफ से दूसरी तिमाही और चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही का नतीजा घोषित किया जा सकता है।

# बांग्लादेश से नेपाल गए, फिर भारत आकर छोटी सी दुकान खोली, आज 19500 करोड़ की है कंपनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कहते हैं सफलता कहां छुपी होती है, कोई नहीं जानता। आज हम बात कर रहे हैं आर आर केबल्स के संस्थापक रामेश्वर लाल काबरा की। वह बढ़िया कारोबार करने के लिए बांग्लादेश से नेपाल गए। लेकिन वहां मन नहीं लगा। फिर वापस भारत आ गए। कई शहरों में दुकान चलाई। फिर कंपनी बनाई। आज इस कंपनी का मार्केट कैप 19,500 करोड रुपये करीब है।

रामेश्वरलाल काबरा की कहानी शुरू होगी है बांग्लादेश से। वहां से वह कारोबार के सिलसिले में नेपाल माइग्रेट कर गए। वहां उन्हें मन नहीं लगा तो फिर भारत आ गए। यहां उन्होंने मध्य प्रदेश के इंदौर में इलेक्ट्रिकल गुड्स की दुकान खोली। वहां भी मन नहीं लगा तो मुंबई आ कर इसी चीज की दुकान खोल ली।

उनके पुत्र और इस समय आर आर ग्लोबल के एमडी और ग्रुप प्रेसिडेंट श्रीगोपाल काबरा बताते हैं कि रामेश्वरलाल काबरा का एक ही ध्येय था- कड़ी मेहनत। इसी सिद्धांत को मानते हुए उन्होंने इलेक्ट्रिकल गुड्स के मैन्यूफैक्चरिंग पर शिफ्ट हुए। वहां उन्हें अपार सफलता मिली। तभी तो आज उनका ग्रुप डायवर्सिफाइड हो गया है।

लगभग 25 साल पहले उन्होंने बिजली के तारों या केबल, स्विच, स्विचगियर, लाइटिंग और अन्य साजोसामान की फैक्ट्री लगाई। यह चल निकली। यह इसलिए चल निकली क्योंकि इसके बनाये सामान फायर प्रूफ होते हैं। मतलब कि मकान में या फैक्ट्री में आग भी लग जाए तो इसके केबल पर कोई असर नहीं होगा। मतलब कि शार्ट सर्किट जैसी दुर्घटना में भी आग नहीं लगेगी। बीते साल सितंबर में ही इस आर आर केबल को लिस्ट कराया गया है। उस समय बाजार से 1964.01 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। कंपनी के 5 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर का प्राइस बैंड 983 से 1935 रुपये रखा गया था। इसे खूब सफलता मिली। बीते शुक्रवार यानी 11 अक्टूबर 2024 को इस कंपनी का शेयर 1718.65 रुपये पर बंद हुआ था। इस कंपनी को जब शुरू किया गया था तो इसे बनाने में करीब 27 करोड़ रुपये की पूंजी लगी थी। आज की तारीख में यह कंपनी 20,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने को बेताब है। बीते शुक्रवार को बीएसई में इसका एक शेयर 1718 रुपये से भी ऊपर बंद हुआ। इस हिसाब से कंपनी का मार्केट कैप 19,430.47 करोड़ रुपये है।

रामेश्वरलाल काबरा समाजसेवा भी काफी सक्रिय रहे हैं। आदिवासी और वंचित समुदाय के लिए उन्होंने एकल आंदोलन और एकल विद्यालय की स्थापना की है। इसके साथ ही उन्होंने ट्रेड एंड इंडस्ट्री के क्षेत्र में भी काफी योगदान दिया है। इसी योगदान को सम्मानित करने के लिए साल 2018 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

# हीरो मोटोस्पोर्ट्स ने इतिहास रचा: रॉस ब्रांच नए फिम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियन बने

**मुंबई, एजेंसी।** दुनिया में मोटरसाईकल और स्कूटर की सबसे बड़ी निर्माता, हीरो मोटोकॉर्प की मोटरस्पोर्ट्स टीम, हीरो मोटरस्पोर्ट्स टीम रैली ने आज रैली डु मैरॉक 2024 की अंतिम फिनिश लाईन को पार कर लिया और इसके साथ ही रॉस ब्रांच नए फिम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियन बन गए। यह फिम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप 2024 का पाँचवाँ और अंतिम राउंड था। सबसे ज्यादा चैंपियनशिप पॉईंट्स के साथ 'कलाहारी फरारी' नाम से मशहूर हीरो राईडर, रॉस ने 2024 के सीज़न की शुरुआत से ही अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

जनवरी में उन्होंने डकार 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त कर हीरो मोटोस्पोर्ट्स को उनका पहला डकार पोडियम दिलाया। यह डब्लू2आरसी का पहला राउंड भी था। एक महीने बाद, बोत्सवनन को अबू धाबी डेज़र्ट चैलेंज की चैंपियनशिप में दूसरा स्थान मिला और चैंपियन रैंकिंग में वो नंबर 1 पर पहुँच गए। उन्होंने रैली रेड पुर्तगाल (अप्रैल) और डेसाफियो रुटा 40, अर्जेंटीना (जून) में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया। इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ रॉस को इस सप्ताह मोरक्को में पाँचवें राउंड की समाप्ति तक पहले स्थान पर बने रहने में मदद मिली और अंत में विजेता का ताज भी उन्होंने जीत लिया। मोटरबाईक्स के लिए रैली वर्ल्ड चैंपियनशिप 2003 से शुरू की गई थी, जिसके बाद फिम के इतिहास में 10 राईडर अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। रॉस ब्रांच इस प्रतिष्ठित सूची में ग्यारहवें राईडर के रूप में शामिल हुए हैं। वो वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाले पहले अफ्रीकन राईडर भी बन गए हैं।

# हुंडई समेत अगले हफ्ते तीन आईपीओ खुलेंगे, तीन की होगी लिस्टिंग

**नई दिल्ली:** अगले हफ्ते तीन आईपीओ खुलने जा रहे हैं। इसमें हुंडई का आईपीओ भी शामिल है। बता दें कि हुंडई देश का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आ रही है। अगले हफ्ते जो आईपीओ खुलेंगे, उनमें एक मेन बोर्ड का आईपीओ है। वहीं बाकी के दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा अगले हफ्ते तीन आईपीओ की लिस्टिंग भी होगी।

शेयर मार्केट में काफी निवेशक आईपीओ के जरिए निवेश करना पसंद करते हैं। इसका कारण है कि उन्हें लिस्टिंग पर अच्छा रिटर्न मिलने की उम्मीद होती है। काफी शेयर लिस्टिंग पर ही निवेशकों को मालामाल कर देते हैं। कई की लिस्टिंग 100 फीसदी से ज्यादा प्रीमियम पर भी हो जाती है। हालांकि जरूरी नहीं कि लिस्टिंग पर फायदा ही हो। काफी शेयर अपनी कीमत से नीचे भी लिस्ट होते हैं, जिससे निवेशकों को नुकसान होता है। कार निर्माता कंपनी हुंडई अगले हफ्ते देश का सबसे बड़ा आईपीओ लेकर आ रही है। यह मेन बोर्ड का आईपीओ है। इसका इश्यू साइज 27,870.16 करोड़ रुपये है। इस आईपीओ में कंपनी कोई भी फ्रेश शेयर जारी नहीं करेगी। कुल 14.22 करोड़ शेयर जारी होंगे। ये शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत जारी किए जाएंगे। यह आईपीओ 15 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक खुलेगा। अलॉटमेंट 18 अक्टूबर को होगा। इसकी लिस्टिंग 22 अक्टूबर को होगी। इस आईपीओ का प्राइज बैंड 1865 से 1960 रुपये के बीच रखा गया है।

# जुलाई-सितंबर तिमाही में डीमार्ट का मुनाफा 5.77 प्रतिशत बढ़ा, रेवेन्यू बढ़कर 14,444 करोड़ रुपए हुआ

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रिटेल चेन डीमार्ट को ऑपरेट करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स का वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में कॉसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध मुनाफा बढ़कर 659.58 करोड़ रुपए रहा है। सालाना आधार पर इसमें 5.77 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 623.56 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था।

जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी ने 14,444.50 करोड़ रुपए का कॉन्सोलिडेटेड रेवेन्यू दर्ज किया है। सालाना आधार पर इसमें 14.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी जुलाई-सितंबर 2023 में कंपनी ने 12,624.37 करोड़ रुपए की कमाई की थी। कंपनी ने आज शनिवार (12 अक्टूबर) को वित्त वर्ष 2025 के दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।

एवेन्यू सुपरमार्ट्स का शेयर पिछले 6 महीने में 4.09 प्रतिशत गिरा है और एक साल में इसके शेयर ने 18.31 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। केवल इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक की बात करें तो कंपनी ने 12.43 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 2.97 लाख करोड़ रुपए है।

सुपरमार्केट चेन डीमार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी हैं। उन्होंने डीमार्ट की शुरुआत 2002 में मुंबई के पवई इलाके से की थी। यहां उन्होंने डीमार्ट का पहला स्टोर ओपन किया था। 1999 में दमानी ने नई मुंबई के नेरूल में अपना बाजार की एक फ्रेंचाइजी की शुरुआत की थी, पर उन्हें यह मॉडल जमा नहीं था। डीमार्ट सुपरमार्केट चेन को एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड ऑपरेट करती है। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के छ्श्वह्र नेविल नोरोन्हा हैं। 68 साल के राधाकिशन दमानी की कंपनी डिमार्ट ने 2017 में शेयर बाजार में डेब्यू किया था। डी-मार्ट 21 मार्च 2017 को शेयर बाजार में लिस्ट हुई थी, उस दिन कंपनी मार्केट कैप 39,988 करोड़ रुपए था। अब करीब 3 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है।

# एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को ईस्टर्न रेलवे जोन के मालदा डिवीजन से रेलवे ऑर्डर मिला

**मुंबई, एजेंसी।** एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल लीडर एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई- 532850, एनएसई- ) ने घोषणा की है कि उसे ईस्टर्न रेलवे जोन के मालदा डिवीजन से ईस्टर्न रेलवे के मालदा मंडल के अभयपुर स्टेशन पर सीआईबी के प्रोविज़न हेतु स्वीकृति पत्र मिला है। इससे पहले, इसे एसजीई , एसए में टेलीकॉम बेस्ड पैसेंजर सुविधाओं के प्रोविज़न और ईएलएस , इरोड में के प्रोविज़न हेतु सदर्न रेलवे ज़ोन के सेलम डिवीज़न से स्वीकृति पत्र मिला था। हाल ही में, कंपनी को अमीर भारत स्टेशन स्कीम के तहत 14 स्टेशंस को पीएफ से जोड़ने के लिए 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज देने के संबंध में दूरसंचार सामग्री की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग हेतु वेस्टर्न रेलवे जोन के रतलाम डिवीजन से स्वीकृति पत्र मिला।

# गेम्स24×7 ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए अपने एक्सलरेटर प्रोग्राम टेकएक्सपेडाइट का दूसरा चरण लॉन्च किया

**बेंगलुरु, एजेंसी।** भारत की सबसे ज्यादा यूजर-सेंट्रिक, साइंटिफिक और इनोवेटिव ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्स24×7 ने आज अपने एक्सलरेटर प्रोग्राम टेकएक्सपेडाइट के दूसरे चरण की लॉन्चिंग का एलान किया। इसका उद्देश्य भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में इनोवेशन को गति देना है। क्लाउड पार्टनर के रूप में एडब्ल्यूएस के साथ इस 60 दिवसीय एक्सलरेटर प्रोग्राम को इस तरह से डिजाइन किया गया है, जिससे प्रोडक्ट डेवलपमेंट, सर्विस एवं रिसर्च के माध्यम से स्टार्टअप्स तीन प्रमुख क्षेत्रों गेमिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) और प्रभाव आधारित इनक्लूसिव टेक्नोलॉजी के मामले में सशक्त हो सकें। इस प्रोग्राम के बारे में कर्नाटक सरकार के माननीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बायो-टेक्नोलॉजी (बीटी)और ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री प्रियांक खड़गे ने कहा, 'टेकएक्सपेडाइट जैसी पहल एक उत्प्रेरक की तरह काम करती हैं, जो इनोवेशन को गति देने में महत्वपूर्ण हैं। इनसे नए स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तरपर अग्रणी बनने में मदद मिलती है। अनूठे विजन और निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी ने कर्नाटक को टेक्नोलॉजी एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में भारत का अग्रणी राज्य बनने में भूमिका निभाई है। अगर हम भविष्य की दिशा में देखें तो कर्नाटक डिजिटल विभाजन को दूर करने और आर्थिक विकास एवं सामाजिक कल्याण में योगदान देने वाली टेक्नोलॉजी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।' गेम्स24×7 के सह-सीईओ एवं सह-संस्थापक भविन पांड्या ने कहा, 'हमारे एक्सलरेटर प्रोग्राम का दूसरा संस्करण हमारे इस विश्वास को मजबूती देता है किडाटासाइंस, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग में निवेश से उल्लेखनीय प्रगति हो सकती है और हमें गर्व है कि भारत के टेक्नोलॉजी स्टार्टअप इकोसिस्टम में इस संभावना को आगे बढ़ाने में हम भूमिका निभा रहे है। करीब दो दशक के अपने अनुभव के साथ हम अपनी मेंटरशिप ट्रेनिंग और पूंजी तक पहुंच के माध्यम से नई पीढ़ी का समर्थन करने में सक्षम हैं। नई पीढ़ी के उद्यमी बहादुरी और उत्साह के साथ उत्कृष्ट उत्पाद एवं सेवाओं के लिए इनोवेट करने को तैयार हैं।'

# 5 बड़े फैक्टर्स तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा, निवेशकों की इन बातों पर रहेगी निगाह

**नईदिल्ली, एजेंसी।** निफ्टी बैंकिंग स्टॉक और एफएमसीजी कंपनियों की वजह से 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24965.25 अंक पर बंद हुआ। 25000 के नीचे निफ्टी का बंद होना मार्केट के लिए अच्छी खबर नहीं मानी जा रही है। ऐसे में एक्सपर्ट्स उम्मीद जता रहे हैं कि बजार में गिरावट आगे भी देखने को मिल सकती है। आइए जानते हैं वो प्रमुख फैक्टर्स जिनकी वजह से शेयर बाजार प्रभावित हो सकता है।

### 1- कंपनियों के तिमाही नतीजे

इस हफ्ते करीब 120 कंपनियों के तिमाही नतीजे जारी होंगे। इन कंपनियों की लिस्ट में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, बजाज ऑटो, एक्सिस बैंक, इंफोसिस, विप्रो, नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और टेक महिंद्रा बैंक शामिल है।

### 2- हुंडई आईपीओ

हुंडई आईपीओ इसी हफ्ते खुलने जा रहा है। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि देश के सबसे बड़ा आईपीओ के ओपनिंग का असर भी मार्केट पर पड़ेगा। कंपनी के आईपीओ का साइज 27,870 करोड़ रुपये का है। कंपनी इसके जरिए 14.2 करोड़ शेयर बेचेगी। बता दें, आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1865 रुपये से 1960 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

विदेशी संस्थागत निवेशक ने अक्टूबर में अबतक 8 कारोबारी सत्रों में 587111 करोड़ रुपये निकाले हैं। शुक्रवार को एफएलएलएस ने 4162.66 करोड़ रुपये की बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार खरीदारी कर रहे हैं।

### 4- डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना

एक डॉलर की कीमत पहली बार 84 रुपये के पार पहुंच गई। शुक्रवार को यह 84.06 पर बंद हुआ। सेंट्रल बैंक की तरफ से लगातार किमतों को स्थिर बनाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। वहीं, यूएस फेड रिजर्व के फैसले का असर भी दिखने लगा है। जिसकी वजह से डॉलर मजबूत हो रहा है।

5- कच्चे तेल की कीमतें

तेल की कीमतों का असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ-साफ दिखता है। मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव की वजह से कच्चे तेल की कीमतों के लिए अस्थिरता का दौर है। कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा भारतीय शेयर बाजार की सेहत के लिए अच्छी खबर नहीं है। इससे मंहगाई का डर रहता है।

**टाटा मोटर्स और ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के बीच समझौता:**

# कमर्शियल वाहनों की फाइनेंसिंग को मिलेगा बढ़ावा

**मुंबई, एजेंसी।** भारत की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता, टाटा मोटर्स, ने अपने ग्राहकों को बेहतर और किफायती फाइनेंसिंग विकल्प देने के लिएईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंकके साथ एक समझौता (एमओयू) किया है। इस साझेदारी के तहत, पहलेछोटे और हल्के वाणिज्यिक वाहनों के लिए फाइनेंसिंग उपलब्ध कराई जाएगी, और बाद में यह सुविधा टाटा मोटर्स के पूरे कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो पर लागू होगी। टाटा मोटर्स के एससीवी एंड पीयू के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेडविनय पाठकने कहा, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ हमारी साझेदारी से हमारे ग्राहकों, खासकर दूरदराज के इलाकों में, को आसान फाइनेंसिंग विकल्प मिलेंगे। यह सहयोग हमारे ग्राहकों को उनकी ज़रूरतों के अनुसार बेहतर समाधान देकर उनके बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। साथ ही, इससे शुरुआती और अंतिम उपभोक्ताओं तक सामान पहुंचाने के क्षेत्र में उद्यमिता और रोजगार बढ़ाने के हमारे प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।

# गुटर गु सीजन 2 अमेज़न एमएक्स प्लेयर मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा पर लाइव स्ट्रीमिंग हो रही

**मुंबई, एजेंसी।** अब इंतजार हुआ खत्म ! प्रशंसक अब खुशी मना सकते हैं, क्योंकि बहुप्रतीक्षित गुटर गु सीजन 2 अब अमेज़न एमएक्स प्लेयर, अमेज़न की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा पर लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है। अपने पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद, यह फैन-फेवरेट टीन रोमांस ड्रामा अब अनूज और ऋतु की दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी के अगले अध्याय के साथ वापस आ गया है। इस सीजन में उनके रोमांस का एक नया पहलू सामने आता है क्योंकि उनकी प्रेम कहानी को लंबी दूरी के रूप में एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है। साकिब पंडोर द्वारा निर्मित और निर्देशित तथा गुनीत मोंगा कपूर के ऑस्कर विजेता प्रोडक्शन हाउस, गुटर गु सीजन 2 में प्रिय मुख्य कलाकारों की वापसी हो रही है

# श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड के बोर्ड ने 100 करोड़ रुपये तक के क्यूआईपी के लिए स्वीकृति दी

**मुंबई, एजेंसी।** श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड जो वित्तीय समाधानों में अग्रणी है, ने घोषणा की है कि इसके बोर्ड ने 100 करोड़ रुपये तक की राशि के लिए इक्विटी शेयरों के जारी कर के धन जुटाने की स्वीकृति दी है, जो कंपनी के सदस्यों और अन्य नियामक/वैधानिक अनुमोदनों की स्वीकृति पर निर्भर करेगा। बोर्ड ने इस बात की भी स्वीकृति दी कि 93 करोड़ रूपए के कनवर्टिबल वारंट्स को निवेशकों को प्राथमिकता के आधार पर 1.05 रुपये प्रति वारंट जारीकर मूल्य पर जारी किया जाएगा, जो शेयरधारकों और अन्य आवश्यक अनुमोदनों के अधीन है। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि इसके बोर्ड ने 200 करोड़ रुपये तक की राशि के लिए इक्विटी शेयरों को जारी करने के माध्यम से धन जुटाने की स्वीकृति दी है, जो कंपनी के सदस्यों और अन्य नियामक/वैधानिक अनुमोदनों की स्वीकृति पर निर्भर करेगा। हाल ही में, कंपनी ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए उत्कृष्ट आय की घोषणा की। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए, कंपनी ने संचालन से 39.50 करोड़ रुपये का राजस्व रिपोर्ट किया, जो कि वर्ष दर वर्ष 1634त्न की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने पहले यह भी घोषणा की थी कि श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड (श्रेष्ठा) और फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फेलिक्स) के बीच मौजूदा व्यावसायिक व्यवस्था के तहत फिर से अदालती संधि पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता पहलों को आगे बढ़ाना है।

# बिरला ओपस पेंट्स के नए कैम्पेन 'नए जमाने का नया पेंट' में विकी कौशल और रश्मिका मंदाना शामिल हुए

**मुंबई, एजेंसी।** इस साल डेकोरेटिव पेंट्स के क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद आदित्य बिरला समूह की ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ के अंतर्गत, बिरला ओपस पेंट्स ने अपना नया कैम्पेन, ''नए जमाने का नया पेंट'' लॉन्च किया है। लियो बर्नेट इंडिया द्वारा परिकल्पित, इस फिल्म में भारत के दो सबसे पसंदीदा कलाकार - विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना शामिल हैं, जो ब्रांड एंबेसडर के रूप में नीना गुप्ता और सौरभ शुक्ला जैसे अनुभवी और बहुमुखी अभिनेताओं के साथ इस ब्रांड की अनूठी और विशिष्ट विशेषताओं और गुणवत्ता के बारे में बात कर रहे हैं। इस अद्वितीय विचार, लोकप्रिय कलाकारों और सशक्त अवधारणा का उद्देश्य बिरला ओपस पेंट्स को ''नए'' व ''डिज़ायरेबल'' पेंट के रूप में स्थापित करना है।

इस कैम्पेन का प्रसारण हिंदी और सभी मुख्य क्षेत्रीय भाषाओं में किया जाएगा। यह टीवी, डिजिटल, ओओएच, प्रिंट और रेडियो पर 360 डिग्री एक्टिवेशन के साथ प्रसारित होगा ताकि इसके बारे में जागरुकता बढ़ाई जा सके और लोग इसका उपयोग करने के लिए प्रेरित हों।

इस अभियान के बारे में रक्षित हरगवे, सीईओ, बिरला ओपस पेंट्स ने कहा, ''इन त्योहारों पर पेश किए गए हमारे नए कैम्पेन, 'नए जमाने का नया पेंट' के साथ हम अपने उत्पाद की परफॉर्मेंस के बारे में बता रहे हैं। इसमें सौरभ शुक्ला और नीना गुप्ता जैसे अनुभवी दिग्गजों के साथ विकी कौशल और रश्मिका मंदाना जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने

नई ऊर्जा का संचार कर दिया है। हमें विश्वास है कि यह कैम्पेन हमारे ग्राहकों को बहुत पसंद आएगा, जो हमारे इनोवेटिव और प्रेरणादायक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है।'' बॉलिवुड सुपरस्टार, विकी कौशल ने कहा, ''मैं बिरला ओपस परिवार का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूँ और ग्राहकों के जीवन में रंग और उत्साह भरने के लिए आशान्वित हूँ। इन फिल्मों ने इस कैम्पेन में रचनात्मकता के साथ जान फूंक दी है और इसे खास बना दिया है। मुझे इस एड में अनुभवी कलाकार सौरभ शुक्ला के साथ शूटिंग करने में बहुत मजा आया, जिनकी आशुरचना देखने लायक थी।''

# मुंबई इंडियंस से जुड़ सकते हैं पारस म्हाम्ब्रे

### टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को कोचिंग दे चुके हैं

**मुंबई (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में मुंबई इंडियन के साथ जुड़ सकते हैं। वे इस साल के अंत में होने जा रहे मेगा ऑक्शन में भी मौजूद रह सकते हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पारस जल्द ही ढ्ढक्क की सबसे सफल फ्रेंचाइजीज में शुमार स्ढ्ढ से जुड़ने वाले हैं, हालांकि फ्रेंचाइजी ने अब तक कोई अनाउंसमेंट नहीं की है। पारस 29 जून को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के बॉलिंग कोच रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे (थम्सअप कर रहे) टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का कोचिंग स्टॉफ।

### राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौर राजस्थाना के कोच

पिछले महीने राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौर राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ गए हैं। फ्रेंचाइजी ने 20 सितंबर को दोनों भारतीय कोच को अपने साथ जोड़ने का ऐलान किया था। द्रविड़ और राठौर की कोचिंग में भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। पारस म्हाम्ब्रे ने विक्रम राठौर और राहुल द्रविड़ के साथ भारतीय टीम को कोचिंग दी।

### पारस खिलाड़ी से ज्यादा बतौर कोच सफल हुए

पारस म्हाम्ब्रे ने भारत के लिए 2 टेस्ट और 3 वनडे खेले हैं। उनका फर्स्ट क्लास करियर शानदार रहा, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर उन्हें ज्यादा कामयाबी नहीं मिली। पारस के बारे में कहा जाता है कि वे एक खिलाड़ी से ज्यादा प्रतिभाशाली कोच हैं।

# खराब फॉर्म में चल रहे बाबर आजम को एक और झटका

### इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर-रिपोर्ट

**मुल्तान (एजेंसी)।** मुल्तान में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों पाकिस्तान की शर्मनाक हार के बाद पूर्व कप्तान बाबर आजम को टीम से बाहर कर दिया गया है, एक रिपोर्ट ने इसकी पुष्टि की है। पिछले कुछ महीनों में बाबर सभी प्रारूपों में बेहद खराब फॉर्म में हैं। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दो पारियों में उन्होंने केवल 30 और 5 रन बनाए जबकि पिच बल्लेबाजों के लिए बिल्कुल अनुकूल थी। मुल्तान टेस्ट में पाकिस्तान की हार के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक नई चयन समिति का गठन किया, जिसने कथित तौर पर बाबर को दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर करने का फैसला किया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार अलीम डार, आकिब जावेद और अजहर अली वाली चयन समिति ने बल्ले से खराब प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर को टीम से बाहर करने का फैसला किया है। कथित तौर पर चयन समिति ने शनिवार को पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ-साथ पीसीबी द्वारा तीन साल के अनुबंध पर नियुक्त किए गए पांच सलाहकारों से मुलाकात की और टीम को अंतिम रूप दिया। यह विकास इस तथ्य के बावजूद हुआ है कि पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने बाबर को टीम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज करार दिया था।

# मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है, शतकीय पारी के बाद बोले संजू सैमसन

**हैदराबाद (एजेंसी)।** भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया।

सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाए रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।

इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।

सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।

सैमसन ने कहा, 'इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था। सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।

सैमसन ने कहा, 'जब आप असफलताओं का सामना करते हैं तो यह कहना आसान होता है कि अगले मैच में मैं रन बनाऊंगा। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं। मुझे अपनी तरह से सफल या असफल होना पसंद है। यह सब खुद के प्रति ईमानदार होने से जुड़ा है।

# टेक्सास में युवा क्रिकेटरों को गुर सिखाएंगे सचिन तेंदुलकर

**ह्यूस्टन (अमेरिका) (एजेंसी)।** भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर टेक्सास में राष्ट्रीय क्रिकेट लीग फाइनल के दौरान एक विशेष क्रिकेट क्लीनिक में युवा क्रिकेटरों को इस खेल के गुर सिखाएंगे। यह क्रिकेट क्लीनिक डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में आयोजित

किया जाएगा जिसका उद्देश्य युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करना और अमेरिका में जमीनी स्तर पर इस खेल को बढ़ावा देना है। तेंदुलकर ने रविवार सुबह होने वाले कार्यक्रम से पहले कहा, 'क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब इसे वापस देने की मेरी बारी है। उन्होंने कहा,''मैं इन युवा खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें यह बताने को लेकर उत्साहित हूं कि कड़ी मेहनत और जुनून से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने तेंदुलकर की भागीदारी के महत्व के बारे में कहा, 'यह क्रिकेट से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अपनी उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने से जुड़ा है। सचिन जैसे व्यक्ति का इन युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देना बहुत मायने रखता है। एनसीएल से कई दिग्गज क्रिकेटर जुड़े रहे हैं जिनमें सुनील गावस्कर, वसीम अकरम और सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के इस सत्र में शाहिद अफरीदी, सुरेश रैना, शाकिब अल हसन और क्रिस लिन जैसे खिलाड़ियों ने भी अपनी सेवाएं दी। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का समर्थन हासिल है।

# पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जामनगर राजगद्दी के उत्तराधिकारी घोषित

### 53 की उम्र में बने नए जाम साहब

**जामनगर(एजेंसी)।** भूतपूर्व रियासत जामनगर के महाराजा और पूर्व क्रिकेटर शत्रुशल्यसिंह जडेजा ने शनिवार को दशहरा की पूर्व संध्या पर अपने भतीजे और पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा को राजगद्दी का उत्तराधिकारी घोषित किया। 53 वर्षीय जडेजा अब जामनगर के नए जाम साहब यानी नाममात्र के मुखिया होंगे। क्रिकेट के दिग्गजों के परिवार के रूप में जाने जाने वाले जडेजा के परदादा रंजीतसिंह और परदादा दुलीपसिंह जो दोनों पूर्व जाम साहब थे, के नाम पर ट्रॉफी रखी गई हैं। पूर्व नवानगर राज्य के नाममात्र के मुखिया शत्रुशल्यसिंह ने शनिवार को एक बयान में कहा, यह जामनगर के लिए सौभाग्य की बात है कि अजय जडेजा ने मेरा उत्तराधिकारी बनना स्वीकार किया है। अजय जडेजा को पिछले साल अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का मेंटर नियुक्त किया गया था। अपनी खुशी की तुलना महाभारत के पांडवों से करते हुए शत्रुशल्यसिंह ने कहा, मैं भी उतना ही खुश हूं (जितना कि वे) क्योंकि मैं एक दुविधा से मुक्त हो गया हूं और इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति अजय जडेजा हैं। जडेजा दौलतसिंहजी के बेटे हैं, जो जामनगर लोकसभा सीट से तीन बार सांसद रहे थे। पोलैंड की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वारसॉ में जामसाहेब दिग्विजयसिंह को एक स्मारक समर्पित की, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान तत्कालीन नवानगर में 600 पोलिश बच्चों को शरण दी थी। 85 वर्षीय शत्रुशल्यसिंह दिग्विजयसिंह के बेटे हैं जिनके भाई प्रतापसिंह अजय जडेजा के दादा हैं। मई में पिछले लोकसभा चुनाव में जब क्षत्रिय आंदोलन ने भाजपा के लिए मुश्किल हालात

पैदा कर दिए थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जामनगर में चुनाव प्रचार के दौरान शत्रुशल्यसिंह से मुलाकात की थी। यह स्पष्ट रूप से समुदाय तक पहुंचने का प्रयास था। शत्रुशल्यसिंह का बचपन में ही तलाक हो गया था और उनके कोई बच्चे नहीं हैं। परिवार के पास महल, स्कूल और बेशकीमती आभूषणों का संग्रह है।

**पूर्वजों के नाम पर रणजी और दलीप ट्रॉफी खेली जाती है** - जाम साहब रणजीत सिंह के नाम पर ही भारतीय क्रिकेट की डोमेस्टिक टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी खेली जाती है। रणजीत सिंह के भाई जुवान सिंह के बेटे दलीप सिंह के नाम पर दलीप ट्रॉफी खेली जाती है। रणजी ट्रॉफी भारत की एक घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता है। यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट चैंपियनशिप है। राज्य क्रिकेट संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमें इसमें हिस्सा लेती हैं। वहीं दलीप ट्रॉफी भारत में खेले जाने वाली घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट टूर्नामेंट है। इन दोनों टूर्नामेंट का आयोजन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) करता है। इस टूर्नामेंट में चार टीमें शामिल हुई इंडिया ए, बी, सी, और डी खेलती हैं।

**जाम साहब का इतिहास** - जाम साहब नवानगर के शासक राजकुमार की उपाधि है, जो अब गुजरात में जामनगर है। जाम साहब राजपूतों के जाम जाडेजा वंश से थे। जाम रावलजी 1540 में नवानगर के पहले जाम साहब थे। उन्होंने कच्छ से प्रवास किया और हलार क्षेत्र में नवानगर की स्थापना की। इसमें 999 गांव शामिल हैं।

**वनडे में 5 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं जडेजा** - अजय जडेजा ने भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से 1992 से 2000 के बीच 15 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने चार अर्धशतकों की मदद से 576 रन बनाए। जडेजा ने टीम इंडिया के लिए खेले 196 वनडे मैचों में 5359 रन बनाए हैं। इनमें 6 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं।

### 'उन्होंने बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं'

# पूर्व क्रिकेटर चोपड़ा ने हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन की तारीफ की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बांग्लादेश के खिलाफ भारत की टी20आई सीरीज में हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन की प्रशंसा की। चोपड़ा ने व्यक्तिगत और पेशेवर चुनौतियों पर काबू पाने के बाद पांड्या की शानदार वापसी का उल्लेख किया। हैदराबाद में तीसरे टी20आई मैच में पांड्या ने 18 गेंदों पर 47 रन बनाकर भारत को 133 रनों की जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

भारत ने 297/6 का रिकॉर्ड स्कोर बनाया। इसके बाद भारत ने बांग्लादेश को 164/7 पर रोक दिया और 3-0 से सीरीज जीत ली। पिछले एक साल में पांड्या की रिकवरी पर जोर देते हुए चोपड़ा ने कहा, हार्दिक पांड्या प्लेयर ऑफ द सीरीज थे। उन्होंने अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं, हूटिंग की गई - सब कुछ हुआ है।

पांड्या ने पूरी सीरीज़ में लगातार तेजी से रन बनाए और ज़्यादातर मैचों में 200 से ऊपर का स्ट्राइक रेट बनाए रखा। चोपड़ा ने उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली पर प्रकाश डालते हुए कहा, तीनों मैचों में उनकी बल्लेबाजी, उन्होंने कम गेंदें खेली हैं, लेकिन हमेशा 200 से ऊपर की स्ट्राइक रेट के साथ। मुझे लगा कि वह बिल्कुल सनसनीखेज हैं।

ग्वालियर में पहले टी20आई में पांड्या ने 16 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए। दिल्ली में उन्होंने 19 गेंदों पर 32 रन बनाए। चोपड़ा ने अपने प्रदर्शन में पांड्या के आत्मविश्वास और स्वभाव पर जोर दिया। चोपड़ा ने टिप्पणी की, उनका स्वैग अलग है। यह गुंडागर्दी जैसा था। उन्होंने कवर पर छक्का लगाया और लेग साइड पर बिना देखे एक हाथ से छक्का लगाया... वह अलग तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। चोपड़ा ने इस तरह की आत्मविश्वास भरी बल्लेबाजी की दुर्लभ प्रकृति को देखते हुए अंत में कहा, यह लगभग गेंदबाजों का अपमान करने जैसा था, जैसे कि उनकी कोई हैसियत ही नहीं है।

# ग्रीन की चोट बेनक्रॉफ्ट की टेस्ट टीम में वापसी का रास्ता साफ कर सकती है : टेलर

**सिडनी (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर को लगता है कि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की चोट अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली प्रतिष्ठित बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कैमरन बेनक्रॉफ्ट की टेस्ट क्रिकेट में वापसी का रास्ता खोल सकती है।

खबरों के मुताबिक ग्रीन अपनी पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी के कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की आगामी टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो सकते हैं। इस 25 वर्षीय तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को पहले भी पीठ में चार बार स्ट्रेस फ्रैक्चर हो चुका है लेकिन 2019 के बाद से ऐसी कोई समस्या नहीं हुई थी। ग्रीन की अनुपस्थिति का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करना होगा।

टेलर ने कहा, 'यह अजीब है, है न? कैमरन ग्रीन पिछले साल एशेज श्रृंखला के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर थे और मिचेल मार्श आए थे लेकिन ऑस्ट्रेलिया उन्हें वापस लाने के लिए बहुत उत्सुक था। इस साल की शुरुआत में डेविड वार्नर के संन्यास के बाद बेनक्रॉफ्ट को पारी का आगाज करने का दावेदार माना जा रहा था लेकिन चयनकर्ताओं ने ग्रीन को टेस्ट टीम में वापस बुला लिया और स्टीव स्मिथ से पारी की शुरुआत कराई गई। हालांकि अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ ने सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और टेलर का मानना ??है कि स्मिथ फिर से चौथे नंबर पर आ जाएंगे।

टेलर ने कहा, 'मुझे लगता है कि स्मिथ फिर से चौथे नंबर पर आ जाएंगे। तो सवाल यह है कि पारी की शुरुआत कौन करेगा? मैं दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज को मौका मिलते हुए देखना पसंद करूंगा और फिलहाल मेरे हिसाब से... मैं (उस्मान) ख्वाजा के साथ बेनक्रॉफ्ट को भी शामिल करूंगा।

बैनक्रॉफ्ट को 2018 के गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में उनकी भूमिका के लिए 9 महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ा था और वह पिछले दो वर्षों से शेफील्ड शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। टेलर को लगता है कि चयनकर्ता युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को भी बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में शामिल कर सकते हैं जिन्होंने शेफील्ड शील्ड में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो शतक लगाए थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी।

# विंबलडन से लाइन जज की खामोश विदाई

**लंदन, एजेंसी।** ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब ने बुधवार को घोषणा की कि विंबलडन 2025 से लाइन जजों की जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगा। घोषणा के बाद, 1982 से टूर्नामेंट में अंपायरिंग कर रही लाइन जज वेंडी स्मिथ बेहद दुखी हैं और उनका दावा है कि उन्हें टेनिस के मक्का को अलविदा कहने का मौका नहीं मिला। वेंडी ने द गार्जियन को बताया, यह सोचकर दुख होता है कि मेरे पास ऐसा पल फिर कभी नहीं होगा। मैं सेंटर कोर्ट पर नहीं खड़ी हो पाऊंगी। और मैं चाहती हूं कि वे हमें इस साल के टूर्नामेंट से पहले बता देते ताकि हमें अलविदा कहने का मौका मिलता। मैं हमेशा टेनिस से प्यार करूंगी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं अब एक दर्शक के रूप में विंबलडन में जा पाऊंगी। वहां वैसा माहौल नहीं होगा। लाइव इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (लाइव ईएलसी) के नाम से जानी जाने वाली आधिकारिक तकनीक सभी चैंपियनशिप और

क्वालीफाइंग मैच कोर्ट में लागू होगी और इसमें आउट और फॉल्ट कॉल शामिल होंगे जो पहले लाइन जजों द्वारा किए जाते थे। वेंडी ने आगे बताया कि समाचार में चौंकाने वाले बदलावों को सुनकर वह हतप्रभ हो गई थी। एक मानव लाइन जज इतना कुछ कर सकता है जो कंप्यूटर नहीं कर सकता। हम निश्चित रूप से टेनिस की परंपराओं को बनाए रखते हैं – मुझे लगता है कि हम कोर्ट को पूरी तरह से तैयार करके रखते हैं। और दर्शक खेल के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं जब वे लाइन जज और चेयर अंपायर के बीच चर्चा देख सकते हैं। यह सब खो जाएगा। उन्होंने कहा, फ्इसलिए जब मैंने बुधवार को सुना कि टूर्नामेंट में हम लाइन जजों की जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग की जा रही है, तो मैं हतप्रभ रह गई। यह और भी दुखद था क्योंकि मुझे तब पता चला जब समाचार में इसकी घोषणा की गई और मेरे फोन पर लोग यह पूछने लगे कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं।

# मयंक यादव ने टी-20 क्रिकेट में हासिल की विशेष उपलब्धि

### हार्दिक-अर्शदीप-भुवनेश्वर के क्लब में हुए शामिल

**नईदिल्ली, एजेंसी।** युवा गेंदबाज मयंक यादव ने हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20आई मैच में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस हाई-स्कोरिंग मैच में भारत ने अपनी पारी में 297/6 का प्रभावशाली स्कोर बनाया जिससे बांग्लादेश पर भी इसी तरह का प्रदर्शन करने का दबाव बना। महज 22 साल के यादव ने बांग्लादेश को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर उन्होंने एक शॉर्ट बॉल फेंकी जिसने परवेज हुसैन इमोन को चौंका दिया।

इमोन ने बड़ा शॉट मारने का प्रयास किया लेकिन सही शॉट नहीं लगा पाए जिसके परिणामस्वरूप एक अजीब प्रयास हुआ। पहली स्लिप में तैनात पराग ने तेजी से अपने बाएं ओर कदम बढ़ाया और एक आसान कैच लपका। यादव का योगदान बांग्लादेश की पारी को गति पकड़ने से पहले सीमित करने में महत्वपूर्ण रहा। इस उपलब्धि के साथ मयंक टी20आई इतिहास में पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए। वह भारतीय क्रिकेटरों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गए जिसमें हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार शामिल हैं। भुवनेश्वर कुमार ने अपने करियर में तीन बार यह उपलब्धि हासिल की है। एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में संजू सैमसन टी20आई शतक बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बने। यह रिकॉर्ड बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20आई के दौरान बनाया गया था। सैमसन ने 47 गेंदों पर 11 चौकों और आठ

छक्कों की मदद से 236.17 की स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में संजू सैमसन का एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड है, उन्होंने आठ पारियों में 66.33 की औसत और 162.44 की स्ट्राइक रेट से 398 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने पूर्ण सदस्य टीमों के खिलाड़ियों द्वारा दूसरा सबसे तेज टी20आई शतक भी दर्ज किया। पूर्ण सदस्य टीम के खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज टी20आई शतक दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम है, दोनों ने 35 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

# दीव में दिखता है पुर्तगाली सभ्यता का प्रभाव

यह स्थान वर्ष 1961 से पहले पुर्तगाली शासन के अधीन था तथा गोवा और दमन के साथ ही इसे स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी। ठंडी समुद्री हवा के झोकों तथा प्रदूषण रहित वातावरण के कारण यहां आकर सैलानियों को काफी राहत महसूस होती है। लंबे विदेशी शासन के कारण दीव के भवनों, किलों, भाषा व संस्कृति तथा जीवनशैली पर पुर्तगाली सभ्यता का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। यहां गुजराती, हिन्दी, अंग्रेजी तथा पुर्तगाली भाषाएं बोली व समझी जाती हैं।

यहां के निवासियों को फूलों से बेहद लगाव है इसलिए लगभग हर मकान में फूलों के पौधे आपको अवश्य देखने को मिलेंगे। दीव का प्रमुख आकर्षण यहां का किला है जोकि लगभग 5.7 हेक्टेयर क्षेत्र में बना हुआ है और सागर के अंदर समाया हुआ प्रतीत होता है। इस किले का निर्माण वर्ष 1535-41 के बीच में गुजरात के सुलतान बहादुरशाह व पुर्तगालियों द्वारा किया गया था। किले के बीच में पुर्तगाली योद्धा डाम नूनो डी कुन्हा की कांसे की मूर्ति भी बनी हुई है। यहां एक प्रकाश स्तंभ भी बना हुआ है जहां से पूरे दीव का नजारा दिखता है। प्रकाश स्तंभ से आवाज देने पर उसकी प्रतिध्वनि भी सुनाई देती है। पानीकोट का दुर्ग पत्थर की विशाल शिलाओं से बना हुआ है। यह दुर्ग एक समुद्री जहाज के आकार का नजर आता है। इस सुंदर दुर्ग तक पहुंचने के लिए नाव अथवा मोटरबोट की सहायता लेनी पड़ती है क्योंकि यह खाड़ी के मुहाने पर तट से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दुर्ग के बीचोंबीच एक गिरजाघर व प्रकाश स्तंभ भी है। आप सेंट पाल चर्च भी देखने जा सकते हैं। वर्ष 1610 में बनी यह चर्च धार्मिक और ऐतिहासिक, दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण है। आप दीव घूमने आए ही हैं तो नगोआ बीच जरूर जाएं। इस बीच को भारत के सुंदरतम तटों में से एक माना जाता है। इसका आकार घोड़े की नाल के समान है, जिस पर सुनहरी रेत बिखरी हुई है। इसकी लंबाई दो किलोमीटर है तथा रहने के लिए यहां तंबू लगाने की सुविधा भी है। सनसेट प्वाइंट सागर तट की गरजती लहरों के बीच एक पहाड़ी पर स्थित है। यहां पर एक उद्यान और ओपन एअर थियेटर बनाया गया है तथा स्नान के बाद कपड़े बदलने के लिए कमरों की भी व्यवस्था है। दीव के अन्य दर्शनीय स्थलों की बात करें तो केवड़ी में स्थित संगीत फुहारे, सेंट थामस चर्च, नवलखा पार्श्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, जामा मस्जिद, दीव संग्रहालय, गोमती माता सागर तट, घोघला सागर तट व मांडवी नगर आदि प्रमुख हैं। दीव में एक विचित्र आकार का ताड़ का पेड़ होता है जिसमें ऊपर एक के स्थान पर दो तने होते हैं, यह पेड़ अंग्रेजी के वाई आकार का दिखता है, इसको होक्का ताड़ भी कहते हैं। दीव के हवाई अड्डे पर जेट एअर की मुंबई से प्रतिदिन की उड़ाने हैं। यदि यहां रेल मार्ग से आना चाहें तो आपको निकटतम रेलवे स्टेशन वेरावल पड़ेगा। जहां से आपको दीव तक के लिए बस सेवा उपलब्ध हो जाएगी।

# पंद्रहवीं सदी के वास्तुशिल्प का अद्भुत उदाहरण है बूंदी किला

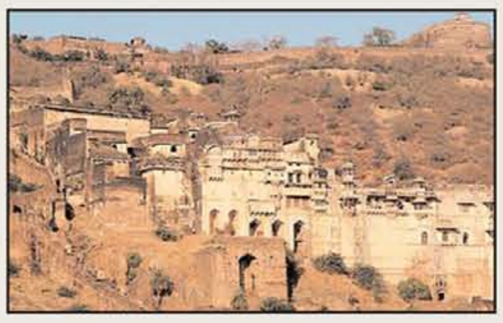

राजस्थान के बूंदी जिले का तारागढ़ किले का निर्माण यहां के राजा राववर सिंह ने पंद्रहवीं शताब्दी में करवाया था। 1426 फीट की ऊंचाई पर अरावती की पहाड़ियों में स्थित यह किला आज भी अपनी विशालता से लोगों का ध्यान बरबस खींच लेता है। किले की प्राचीर का निर्माण जयपुर के फौजदार दलेल सिंह ने करवाया था। दुर्ग में चार बडे कुंडल हैं। रहने के लिए सुंदर महल और निवास हैं। किले का आकर्षण एक काफी ऊंची बुर्ज है जिसे भीम बुर्ज के नाम से पुकारा जाता है। बुर्ज के नजदीक ही एक छतरी है। इसे भीम राव अनिरुद्ध सिंह के धाभाई देवा ने बनवाया था। इसके अंदर एक किलेधारी का मंदिर है जिसे महाराज राजा उम्मेद सिंह ने बनवाया था। यहां एक जगह ऐसी है जहां दो मिनट के लिए आप अपने आप ठिठक जाएंगे। यह जगह है किले की चित्रशाला। उम्मेद महल के नाम से प्रसिद्ध इस भव्य चित्रशाला का निर्माण राव उम्मेद सिंह ने करवाया था। यहां राव उम्मेद सिंह तथा राव बिसन सिंह की तस्वीरें हैं। इस चित्रमहल की विषयवस्तु राग रागनियों, प्रेमाख्यान और राजकीय समारोह, गोवर्धन धारी चीर हरण, राम विवाह, ढोलामारु तथा महामिरातेब हैं। चित्रशाला पर मुगल और मेवाड़ शैली का असर है। यहां हरी पृष्ठभूमि पर सफेद रंग से पुरुष और नारी बने हैं। स्त्री और पुरुष के कपड़ों के रंग लाल, नीले, काले और पीले हैं। पूरे किले में यही एकमात्र भाग है जिसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने सुरक्षित स्मारक घोषित कर अपने अधीन रखा हुआ है। इसी चित्रशाला में एक जगह महाराज उम्मेद सिंह की चरण पादुका रखी हुई है। इस जगह पहले सिंहासन रखा होता था। इसके अलावा किले में पहाडियों से सबसे ऊंचाई पर पहले राजा का घुड़साल हुआ करता था। घुड़साल के अलावा इत्र महल, बादल महल, फूल महल जैसी और भी कई अन्य जगह हैं जो पर्यटकों के आकर्षण के केन्द्र बन सकते हैं लेकिन महाराज के वंशज ने उसे अपनी निजी संपत्ति के तौर पर संरक्षित कर रखा है। यहां विदेशी पर्यटक भी आते हैं मगर उनकी संख्या कम है। पहाड़ियों की ऊंचाई पर पुलिस विभाग ने एक वायरलेस स्टेशन भी स्थापित कर रखा है। पहाड़ियों की चढ़ाई कर इस किले के विशाल रूप से वाकिफ होकर अगर आप सुस्ताने के लिए नीचे आएंगे तो आपको एक हेरिटेज होटल मिलेगा। निजी समूहों ने किले के ही एक भाग का नवीकरण कर इसमें कमरे बना दिए हैं। इन कमरों में रुककर आप भी एक दिन राजाओं के जमाने में वापस जा सकते हैं।

# दुबई का मिरेकल गार्डन जैसे रेगिस्तान में नंदन-कानन

दुबई की यह मेरी पांचवीं यात्रा है। जब भी यहाँ आया हूँ कोई-न-कोई नयी बात या नयी चीज़ सुनने-देखने को मिली है। पिछली बार जब आया था तो बुर्ज खलीफा चर्चा में था। 160 मंजिलों वाली तथा लगभग 828 मीटर ऊंची इस आकाश-छूती इमारत को देखकर सचमुच आश्चर्य हुआ था। उससे पहले दुबई स्थित उस होटल बुर्ज-अल-अरब को देखा था, जिसके बारे में सुना था कि वह विश्व का सब से बड़ा सात-सितारा होटल है। प्रतिमान पर प्रतिमान स्थापित करना इस शान-शौकत और चमक-दमक वाले दुबई शहर की ललक का एक तरह से पर्याय बन गया है। विश्व का सब से बड़ा माल दुबई माल भी यहीं पर है। स्वचालित (बिना ड्राइवर के) मेट्रो भी यहां है। और भी बहुत कुछ है यहाँ देखने के लिए। इस बार उस पुष्प-उद्यान को देखने का मौका मिला जिसके बारे में अपने देश में सुन रखा था। यह पुष्प उद्यान यानी मिरेकल गार्डन विश्व-प्रसिद्ध है। लगता है जैसे समूचा नंदन-कानन सहरा में उतर कर आया हो। दुबई मिरेकल गार्डन का क्षेत्रफल लगभग सत्तर हज़ार वर्गमीटर है। विश्व का यह ऐसा पहला उपवन है जिसमें 60 रंगों के 4.5 करोड़ फूल हैं। इनमें से अनेक ऐसे हैं जिन्हें फारस की खाड़ी के इलाके में पहली बार लाया गया है। यह संसार का पहला ऐसा बाग़ है जो फूलों से बनी तीन मीटर ऊंची दीवार से घिरा हुआ है और इसमें एक दस मीटर ऊंचा पुष्प-पिरामिड भी है7 फूलों के गुच्छों, झुरमुटों और कियारियों को बड़े ही कलापूर्ण ढंग से तराशा/संवारा गया है। जहाँ तक भी नजर जाती है महकते फूलों का समुद्र ठाठें मारता दृष्टिगोचर होता है। रेगिस्तान में ऐसा दृश्य विरल ही नहीं, अकल्पनीय भी है। इस दिलकश गुलिस्तान के निर्माताओं का कहना है कि वे संसार को दिखाना चाहते थे कि सहरा को भी कैसे प्रदूषित जल का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग कर उसे हराभरा किया जा सकता है। दुनिया को वे यह भी बताना चाहते थे कि दुबई मात्र ऊँची-ऊँची अट्टालिकाओं (लोहा-सीमेंट-रेत) और मालों/होटलों का ही शहर नही है। अपितु प्रकृति-प्रेमी नगर भी है।

एक बात और। दुबई की भावी योजनाओं में एक अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना है फाल्कन सिटी आफ़ वंडर्स। इस परियोजना के तहत दुनिया भर से वास्तुकला के कई श्रेष्ठ नमूनों की प्रतिकृतियां बनाई जाएंगी जिनमें पिरामिड, हैंगिंग गार्डन, एफिल टावर, ताज महल, चीन की महान दीवार और पिसा की झूलती मीनार शामिल हैं। परियोजना दुबई के प्रतिमानों की श्रृंखला में एक और नई कहानी लिखेगी, ऐसा इसके प्रबंधकों का मानना है। दुबई के प्रशासकों (शेखों) को यह समझ में आने लगा है कि उनके तेल के जखीरे अब ज्यादा दिनों तक चलने वाले नहीं हैं और एक-न-एक दिन उनके ये तेल के कुंए तेल देना बंद कर देंगे। दरअसल, 1930 में उन्हें तेल की अकूत संपदा हाथ लगी थी, उससे पहले यहाँ के लोग मछली-पालन या समुद्र से मोती निकालने का काम करते थे, लगभग अस्सी वर्षों से सहरा इन्हें तेल से मालामाल कर रहा है।

बुर्ज, होटल, चौड़ी सड़कें, चमक-दमक, वैभव, ठाठ-बाठ आदि सब तेल की वजह से है। मगर तेल निकलेगा भी तो कब तक? इसलिए विकल्प के तौर पर, समय रहते, यहाँ के शासक पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने में जुटे हुए हैं। चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्रों में भी बड़ी-बड़ी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं ये लोग ला रहे हैं।

# फ्लाइट में 24 घंटे की देरी होने पर टर्किश एयरलाइंस पर भड़कीं तापसी

## बताया सबसे खराब अनुभव

तापसी पन्नू को हाल में ही अपनी फ्लाइट में देरी होने की वजह से समस्या का सामना करना पड़ा और इसके लिए अभिनेत्री ने टर्किश एयरलाइंस के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की। अभिनेत्री तापसी पन्नू को आखिरी बार खेल खेल में देखा गया था, जो अगस्त 2024 में रिलीज हुई थी और यह इतालवी फिल्म परफेक्ट स्ट्रेंजर्स से प्रेरित है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, एमी विर्क, फरदीन खान, वाणी कपूर, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल ने अभिनय किया था। अब अभिनेत्री एक बार फिर सुर्खियों में आ गईं। हाल ही में अभिनेत्री ने टर्किश एयरलाइंस के प्रति अपनी निराशा व्यक्त की।

तापसी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सबसे खराब अनुभव टर्किश एयरलाइंस, आपके पास सबसे गैर-परवाह ग्राहक सेवा है या रुकिए, आपके पास खुद कोई ग्राहक देखभाल सेवा नहीं है। खासकर उन यात्रियों के लिए, जो आपकी देरी के कारण परेशान होते हैं। इसे खुद ही पता लगाना है। वाह, आपकी एयरलाइन समस्या के कारण 24 घंटे की देरी, यह पता लगाने के लिए यात्री की समस्या नहीं है।

### श्रुति हासन भी हो चुकी हैं परेशान

तापसी उड़ान में होने वाली देरी से परेशान होने वाली पहली अभिनेत्री नहीं हैं। हाल ही में साउथ अभिनेत्री श्रुति हासन ने भी इस समस्या का सामना किया था। उन्होंने इस समस्या का अनुभव इंडिगो एयरलाइन के साथ किया था। श्रुति ने एक्स पर अपनी आपबीती साझा की और देरी की वजह से हुई अव्यवस्था के बारे में बात की थी। उन्होंने ट्वीट किया था, अरे मैं आम तौर पर शिकायत करने वालों में से नहीं हूं, लेकिन इंडिगो आपने आज अव्यवस्था के मामले में वाकई बहुत बड़ी गलती कर दी, हम पिछले चार घंटों से एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं और हमें कोई जानकारी नहीं है, शायद आप अपने यात्रियों के लिए कोई बेहतर तरीका सोच सकते हैं जानकारी, शिष्टाचार और स्पष्टता।

### तापसी पन्नू की आने वाली फिल्में

वहीं, तापसी पन्नू की आने वाली फिल्मों के बारे में बात करें तो अभिनेत्री के पास प्रतीक गांधी के साथ वो लड़की है कहां फिल्म है। इसके बाद वह कनिका ढिल्लों के साथ गांधारी में नजर आएंगी, जिसे एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म बताया जा रहा है। सी फिल्म का प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होगा।

## बाबा सिद्दीकी को महंगी पड़ी सलमान से दोस्ती

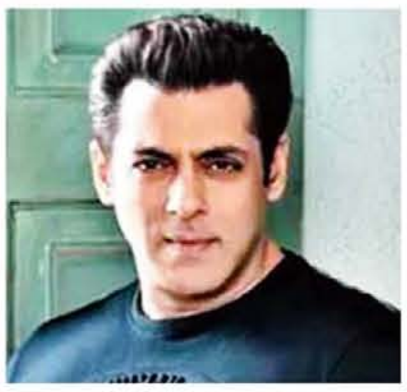

एनसीपी पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी को शनिवार शाम को तीन अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी. पुलिस की मानें तो उनपर हमला तब हुआ, जब वो अपने बेटे जीशान सिद्दीकी के बांद्रा ईस्ट स्थित ऑफिस से निकलकर अपनी कार में बैठकर जा रहे थे. गोली उनके पेट और सीने पर लगी थी. आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई. अब उनकी मौत को लेकर नया अपडेट आया है. लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने उनकी हत्या की जिम्मेदारी एक सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ली.

बाबा सिद्दीकी की मौत के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ है. लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक मेंबर का फेसबुक पोस्ट तेजी से सोशल मीडिया पर पोस्ट हो रहा है. पोस्ट में लिखा गया है कि, ओउम् जय श्री राम जय भारत जीवन का मूल समझता हूं, जिस्म और धन को में धूल समझता हूं. किया वही सत्कर्म था जो, निभाया मित्रता का धर्म था जो. सलमान खान हम ये जंग चाहते नहीं थे पर तुमने हमरे भाई का नुकसान करवायाज आज जो बाबा सिद्दीके के शराफत के पुल बांध रहे है या एक टाइम में दाऊद के साथ मकोका एक्ट में था. इसके मरने का कारण अनुज थापन और दाऊद को बॉलीवुड, राजनीति, प्रॉपर्टी डीलिंग से जोड़ना था.

आगे इस पोस्ट में लिखा हुआ है, हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है पर जो भी सलमान खान और दाऊद गैंग की हेल्प करेगा अपना हिसाब किताब लगा के रखना. हमारे किसी भी भाई को कोई भी मरवाएगा तो हम प्रतिक्रिया जरूर देगे. हम ने पहले वार कभी नहीं किया.

# डिजाइनर पंकज और निधि के लिए रैंप वॉक करेंगी शरवरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ मशहूर डिजाइनर पंकज और निधि के लिए फैशन शो में रैंप वॉक करेंगी। अभिनेत्री ने डिजाइनर पंकज और निधि के साथ काम करने को सपने जैसा बताया। उन्होंने कहा कि वह रैंप पर चलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

शरवरी ने कहा, मैं भारत के पसंदीदा डिजाइनर पंकज और निधि के लिए शोस्टॉपर के तौर पर रैंप पर चलने को लेकर काफी रोमांचित हूं। इन दो प्रतिष्ठित नामों के लिए भारत के सबसे बड़े फैशन शो में से एक के रैंप पर डेब्यू करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है। शरवरी ने डिजाइनर जोड़ी के साथ काम करने को लेकर खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा, अपनी नई और क्रिस्प सेंसिबिलिटी की वजह से यह पावरहाउस कपल स्टाइल और एलिगेंस के मामले में हर कदम को आगे ले जाती है। इसलिए, मैं उनके शोस्टॉपर आउटफिट और उनके लेबल के साथ न्याय करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि लोग मुझे शुभकामनाएं देंगे और इस डेब्यू पर मेरा उत्साहवर्धन करेंगे। बता दें कि एक्ट्रेस शरवरी शनिवार को नई दिल्ली में लैक्मे फैशन वीक 2024 में वॉक करती नजर आएंगी। पंकज और निधि के डिजाइन किए ड्रेसेस को दीपिका पादुकोण, सोनम कपूर, शिल्पा शेट्टी, यामी गौतम और आलिया भट्ट जैसी मशहूर हस्तियों ने भी पहना है। इसके साथ ही शरवरी ने शनिवार को दशहरे के अवसर पर अपने आगामी प्रोजेक्ट के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वह आलिया भट्ट अभिनीत आगामी फिल्म अल्फा के लिए प्रार्थना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस दिन अन्याय, अज्ञानता और बुराई से लड़ने के सभी साधनों की पूजा करें। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हैप्पी दशहरा और विजयादशमी। आज मैं अल्फा के लिए प्रार्थना कर रही हूं, क्योंकि इस दिन हम सभी हथियारों, औजारों, उपकरणों, किताबों, कलमों की पूजा करते हैं, क्योंकि वे अन्याय, अज्ञानता और बुराई से लड़ने के साधन हैं।

# अदा शर्मा ने हॉरर फिल्म 1920 को लेकर किया खुलासा

अदा शर्मा एक भारतीय फिल्म अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं की फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। अदा ने महिला प्रधान सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म द केरला स्टोरी और बस्तर जैसी शानदार फिल्मों में भी दमदार अभिनय किया और दर्शकों का दिल जीत लिया। अदा ने अपनी हॉरर फिल्म 1920 को लेकर एक चौंकाने वाला खुलाया किया, जिसे सुनकर कोई भी हैरान हो जाएगा। इसके अलावा रीटा सान्याल को लेकर भी किए कई खुलासे। सनफ्लावर में एक विचित्र किरदार निभाने वाली अदा शर्मा अब अपने आने वाले शो रीटा सान्याल में 10 अलग-अलग भूमिकाएं निभाती नजर आएंगी। शो से पहले एक इंटरव्यू में अदा ने बताया कि कैसे लोगों ने उन्हें उनकी फिल्म 1920 के दौरान विदेशी समझ लिया था। अपने शो रीटा सान्याल के बारे में अदा ने कहा, मैं आपको यह नहीं बता सकती कि एक अभिनेता के रूप में मैं कितनी भाग्यशाली महसूस करती हूं। मुझे लोगों के लहजे, उनकी नकल करना पसंद है और मुझे शो में 10 अलग-अलग लोगों के रूप में यह सब करने का मौका मिला। अदा शर्मा खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें अपने फिल्मी करियर में कभी टाइपकास्ट नहीं किया गया और उन्हें अलग-अलग भूमिकाएं निभाने का अवसर मिला।

एक इंटरव्यू के दौरान अदा ने बताया कि उनकी पहली हॉरर फिल्म 1920 के बाद ही उन्हें स्टीरियोटाइप कर दिया गया था। उन्होंने कहा, लोगों को लगा कि मैं विदेशी हूं। मैंने नीला लेंस पहना हुआ था और मैं वास्तव में पीली दिख रही थी। सूरज नहीं था। हम लंदन में बिल्कुल भी टैन नहीं हुए थे। वहां ठंड थी, इसलिए मैं नीली आंखों वाली गोरी दिखती थी और लोगों को लगता था कि मैं विदेशी हूं और उन्हें लगा कि मुझे हिंदी नहीं आती। अदा ने कहा कि यह गलतफहमी काफी लंबे समय तक चली। अदा ने आगे कहा, मैं ऐसी इंसान हूं, जो अपनी ही बातों को स्पष्ट करने में बहुत खराब हूं।

रीटा सान्याल शो का निर्देशन अभिरूप घोष ने किया है और इसे अमित खान ने लिखा है। यह शो 14 अक्तूबर, 2024 को डिज्नी+ हॉटस्टार पर प्रीमियर के लिए तैयार है। यह सीरीज रीटा सान्याल नाम की एक वकील पर आधारित है, जो जटिल कानूनी मामलों से निपटने के लिए जानी जाती है, क्योंकि वह कानूनी और आपराधिक दोनों दुनिया में चुनौतियों का सामना करती है। कीलाइट प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह सीरीज डिज्नी+ हॉटस्टार मोबाइल ऐप पर मुफ्त में स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी, जिसके एपिसोड सोमवार से शुक्रवार तक रिलीज होंगे।

# विवादों में आईं बेबिका धुर्वे

## निर्माता-एक्टिविस्ट ने लगाया बकाया भुगतान न करने का आरोप

बिग बॉस ओटीटी 2 से लोकप्रियता हासिल करने वाली बेबिका ध्रुवे अपने गाने बोटी बोटी को लेकर विवादों में घिर गई हैं। सामाजिक कार्यकर्ता और निर्माता अतुल किशन ने सोशल मीडिया पर अभिनेत्री पर बकाया भुगतान न करने का आरोप लगाया है। इंस्टाग्राम स्टोरी में अतुल की ओर से किए गए दावे के मुताबिक बेबिका ने उन्हें गाने से संबंधित बकाया राशि नहीं दी है।

उनके दावे के मुताबिक बेबिका ने बोटी बोटी गाने की रिलीज के बाद भुगतान का वादा किया था, लेकिन तब से उन्होंने उन्हें ब्लॉक कर दिया है और उन्हें अब तक धनराशि नहीं दी गई है। अतुल ने उनकी चैट का एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया, जिसमें दिखाया गया है कि वह मई से ही उनसे भुगतान करवाने की कोशिश कर रहे हैं। अतुल ने लिखा, हमने बोटी बोटी गाने के लिए बेबिका धुर्वे के साथ डील की थी। उन्होंने रिलीज के बाद भुगतान का वादा किया था, लेकिन जैसे ही यह रिलीज हुआ, उन्होंने हमें भूला दिया, हमें हर जगह ब्लॉक कर दिया और जब भी हम उससे बात करते तो वह हमारे साथ बुरा व्यवहार करती थीं और लगातार बहाने बनाने के साथ अनादर करती थीं। यह उनका पहला घोटाला नहीं है। चलिए स्पष्ट कर दें कि यहां पैसा मुद्दा नहीं है, लेकिन आत्म-सम्मान ही सब कुछ है। प्रसिद्धि से मूर्ख मत बनो।

बेबिका धुर्वे और पूजा भट्ट बिग बॉस ओटीटी 2 पर अच्छे दोस्त बन गए थे और उसके बाद भी दोस्त बने रहे। हालाँकि, प्रशंसक तब आश्चर्यचकित रह गए जब उन्होंने अप्रैल 2024 में इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया, जिससे अफवाहें उड़ीं कि दोनों की दोस्ती खत्म हो चुकी है। हालांकि, एक बातचीत में बेबिका ने दावा किया था कि वे अभी भी दोस्त हैं।

# रितेश देशमुख ने लगाई न्याय की गुहार

रितेश देशमुख ने सोशल मीडिया पर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने बाबा सिद्दीकी की हत्या करने वाले अपराधियों को कटघरे में लाने की मांग की है। साथ ही बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान और उनके परिवार के लिए संवेदना चाहिर की है। बाबा सिद्दीकी की मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया है। बॉलीवुड सितारे सदमे में हैं। शनिवार देर रात को उन पर कई राउंड गोलियां चलीं। उन्हें गंभीर हालत में लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई। सलमान खान से लेकर संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी तक, कई हस्तियां रात में ही अस्पताल पहुंची थीं। रितेश देशमुख ने भी सोशल मीडिया पर दुख जताया है और न्याय की मांग की है। बाबा सिद्दीकी के दुखद निधन के बारे में जानकर मैं बहुत दुखी और स्तब्ध हूं। मेरी संवेदनाएं जीशान सिद्दीकी (उनके बेटे) और पूरे परिवार के साथ हैं।

## इंशाअल्लाह में सलमान खान को रिप्लेस किए जाने की अफवाहों पर आलिया भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

संजय लीला भंसाली की फिल्म इंशाअल्लाह बंद हो चुकी है. मूवी में सलमान खान के अपोजिट आलिया भट्ट काम करने वाली थी. मूवी को लेकर काफी बज था. हालांकि फिल्म में सलमान को रिप्लेस करने पर आलिया ने अपनी बात रखी. संजय लीला भंसाली की फिल्म इंशाअल्लाह को लेकर काफी लंबे समय से सोशल मीडिया पर चर्चा हो रही है. ये फिल्म संजय लीला भंसाली की सबसे चर्चित प्रोजेक्ट में से एक थी. मूवी में आलिया भट्ट और सलमान खान की जोड़ी थी. हालांकि मूवी बन नहीं बन पाई और बंद हो गई. मूवी के बंद होने के पीछे की वजह सामने नहीं आई. ऐसा कहा गया था कि सलमान और संजय के बीच क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से एक्टर को मूवी से रिप्लेस करना पड़ा था. अब इसपर आलिया ने रिएक्शन दिया है.

### आलिया भट्ट ने कही ये बात

संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में आलिया भट्ट काम कर रही है. कुछ महीने पहले ही इस मूवी की अनाउसमेंट हुई है. द लल्लनटॉप से बातचीत में आलिया से फिल्म के स्टेटस के बारे में पूछा गया. इसपर एक्ट्रेस ने कहा, मैं उनके साथ लव एंड वॉर फिल्म में काम कर रही हूं. मुझे उम्मीद है कि वो किसी दिन मूवी बनाएंगे क्योंकि इसकी कहानी शानदार है. ये एक लवली लव स्टोरी है. जब होस्ट ने उनसे मजाक में पूछा कि क्रिएटिव डिफरेंस की वजह से हीरो को बदला जा सकता है, तो इसपर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, संजय सर जो फैसला करेंगे, वो मूवी के लिए बेस्ट होगा.

# वेट्टैयन के कारोबार में दूसरे दिन आई गिरावट, 50 करोड़ का आंकड़ा पार

सुपरस्टार रजनीकांत और अमिताभ बच्चन की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म वेट्टैयन ने 2024 में तमिल फिल्म के लिए दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग की है। हालांकि, टीजे ग्नानवेल द्वारा निर्देशित यह फिल्म थलपति विजय की द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम उर्फ GOAT को पछाड़ने में विफल रही है। शुरुआती ट्रेड कलेक्शन के अनुसार, दशहरा की छुट्टियों का फायदा उठाते हुए, वेट्टैयन की कमाई में आने वाले दिनों में जबरदस्त वृद्धि देखने को मिलेगी। सिनेमाघरों में अपने पहले दिन वेट्टैयन ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 30 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की है। वहीं फिल्म के दूसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है। वेट्टैयन 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। टीजे ग्नानवेल की फिल्म में आपको अमिताभ बच्चन और रजनीकांत की बेहतरीन भूमिका दिखाने को मिलेगी। ट्रैकिंग वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, इस एक्शन ड्रामा ने भारत में पहले दिन 30 करोड़ रुपए की कमाई की है। तमिल संस्करण में पहले दिन 26.15 करोड़ रुपए कमाए। वहीं वेट्टैयन के दूसरे दिन कमाई में गिरावट भी देखने को मिली। फिल्म ने सिर्फ 23.8 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है।

वेट्टैयन इस साल तमिल सिनेमा में दूसरी सबसे बड़ी ओपनर बन गई, जबकि GOAT सबसे बड़ी ओपनर रही। वेट्टैयन ने पहले दिन 30 करोड़ रुपए कमाए, जबकि GOAT ने पहले दिन भारत में लगभग 44 करोड़ रुपए की कमाई की।

वेट्टैयन एक एक्शन ड्रामा है, जिसका निर्देशन टीजे ग्नानवेल ने किया है। फिल्म में रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, राणा दग्गुबाती, फहद फासिल, मंजू वारियर, अभिरामी, दुशारा विजयन और रितिका सिंह नजर आए। फिल्म का स्क्रीन प्ले ग्नानवेल और बी किरुथिका ने साथ में लिखी है।

# पुलिस अधिकारियों ने शहर में किया फ्लैग मार्च

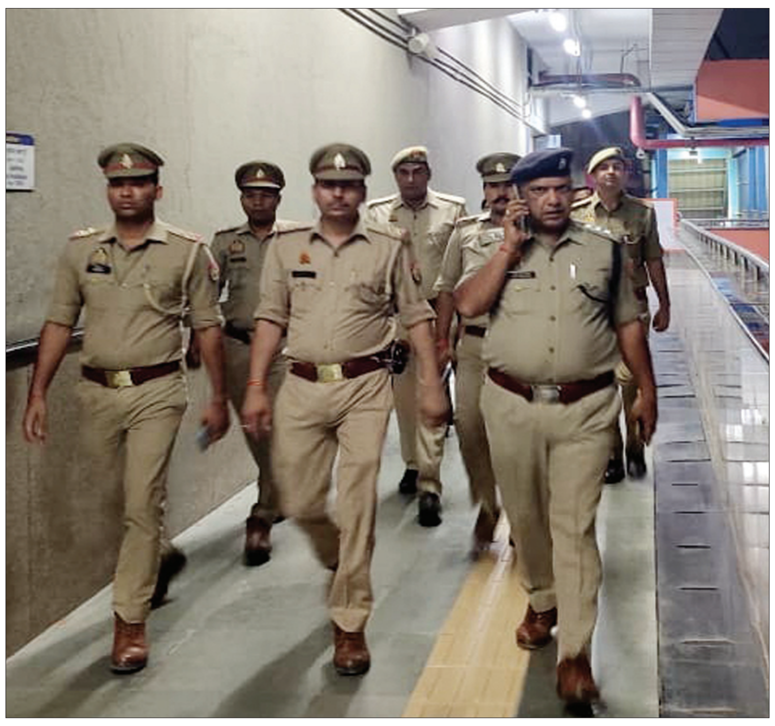

**नोएडा (चेतना मंच)।** पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी व एडीसीपी सेन्ट्रल नोएडा हृदेश कठेरिया के पर्यवेक्षण में एसीपी प्रथम सेन्ट्रल नोएडा राजीव कुमार गुप्ता द्वारा पुलिस बल के साथ थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के अंतर्गत फुट पेट्रोलिंग करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

उन्होंने निर्देशित किया कि संदिग्ध प्रतीत हो रहे वाहनों व व्यक्तियों को रोककर उनकी तलाशी ली जाये एवं सभी पीसीआर व पीआरवी वाहनों द्वारा लगातार भ्रमणशील रहते हुए पेट्रोलिंग की जाये।

डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह के निर्देशन में एडीसीपी नोएडा मनीष कुमार मिश्र द्वारा एसीपी प्रथम नोएडा प्रवीण कुमार द्वारा थाना सेक्टर-20 क्षेत्रान्तर्गत सेक्टर-18 में व थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अंतर्गत जीआईपी मॉल व गार्डन गलेरिया के आसपास के क्षेत्र का भ्रमण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। उनके द्वारा संबंधित को निर्देशित किया गया कि यातायात प्रबन्धन व अन्य सुरक्षा मानको को सुनिश्चित किया जाये और पीआरवी व पीसीआर वाहनों द्वारा लगातार भ्रमणशील रहते हुए पैट्रोलिंग की जाये।

# एटीएम बूथों में छेडछाड़ कर जनता से करते थे ठगी, दो गिरफ्तार, 107 एटीएम कार्ड बरामद

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने 2 शतिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। ये बदमाश एटीएम बूथों पर पैसा निकालने वाले लोगों का कार्ड धोखधड़ी से बदलकर व चोरी कर लोगों के खाते से रकम निकाल लेते थे। इन अभियुक्तों के खिलाफ एनसीआर के विभिन्न थानों में 9 मुकदमें दर्ज है।

डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी बताया कि थाना ईकोटेक -3 पुलिस ने आज एटीएम कार्ड बदलकर जनता के साथ धोखाधडी कर उनके खाते से रुपये निकालने वाले 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार उनके कब्जे से अलग-अलग बैंको के 107 एटीएम कार्ड व 7300/- रूपये नकद व 1 तमंचा 315 बोर मय 1 जिन्दा कारतूस तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है। उन्होंने बताया कि थाना पुलिस द्वारा आज लोकल इंटेलीजेंस के माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम कुलेसरा मार्केट में स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम के पास से अभियुक्तगण शहजाद पुत्र मलूक तथा मौ. बिलाल पुत्र मौ. मुन्नव्वर को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि दोनों अभियुक्त गाजियाबाद के लोनी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि शहजाद के खिलाफ गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर के थानों में 6 तथा विलाल के खिलाफ 9 मुकदमे दर्ज हैं। बदमाशों के अन्य आपराधिक मामलों की जानकारी की जा रही है।

# नेत्र जांच शिविर में 170 लोगों ने कराई जांच

**नोएडा (चेतना मंच)।** लक्ष्मी नारायण मंदिर , सेक्टर-56, में विश्व दृष्टि दिवस पर मंदिर के गीता भवन में घर्मपाल सत्यपाल फ़ूड प्राइवेट लिमिटेड व आईकेयर हॉस्पिटल, नोएडा के सहयोग से निशुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया। इस कैम्प में 170 लोगों ने नेत्र जाँच कराई जिसमें महिला और पुरुष लगभग बराबर संख्या में थे।

23 लोगों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन की आवश्यकता थी। उन्हें आई केअर हॉस्पिटल में निशुल्क ऑपरेशन व लेन्स के लिए समय दे दिया गया है। 135 से अधिक लोगों को नि:शुल्क चश्में व नेत्र की दवाई भी प्रदान की गई।

इस कैम्प की व्यवस्था को मंदिर के कोषाध्यक्ष जी.के. बंसल व मुख्य न्यासी संजीव ने बहुत ही कुशलता से संचालन व संपन्न किया। एमिटी यूनिवर्सिटी के 5 स्वयंसेवकों ने मंदिर के अनिल कनोत्रा, के डी शर्मा, केबी बाबूराव व शैल माथुर जी को इस कैम्प की ज़िम्मेदारी को निभाने में पूर्ण सहयोग प्रदान दिया। स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करने के लिए मंदिर के सचिव माननीय ओ पी गोयल व अन्य मुख्य न्यासी गण जे एम सेठ , आई पी खण्डपुर, हरीश सभरवाल वहाँ पूरा समय उपस्थित रहे। कैम्प का संपूर्ण संचालन मुख्य न्यासी ए के गुप्ता के कुशल निर्देशन में प्रति वर्ष की भाँति हुआ। मंदिर की मैनेजिंग कमेटी आई केयर हॉस्पिटल के डॉक्टर्स व टेक्नीशियंस , धर्मपाल सत्यपाल फ़ूड प्राइवेट लिमिटेड, अन्नपूर्णा रसोई व सभी स्वयंसेवकों का हृदय से आभार प्रकट करती है।

# आईएससीसीएम ने निकाला ऑन फुट वाकथॉन मार्च

**नोएडा (चेतना मंच)।** गंभीर बीमारी के विरुद्ध समाज को सशक्त बनाने के मकसद से दिल्ली एनसीआर के डॉक्टरों द्वारा आईएससीसीएम (इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन) के बैनर तले रविवार को चिल्ला स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स दिल्ली से सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम तक वार्षिक वॉकथॉन 'मार्च-ऑन-फुट' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न अस्पतालों के सैकड़ों डॉक्टर शामिल हुए।

वॉकथॉन 'मार्च-ऑन-फुट' का गौतमबुद्ध नगर के सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पदयात्रा (वॉकथॉन) इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईएससीसीएम) के स्थापना दिवस की वर्षगांठ के समारोह में निकाली गई। इसका आयोजन हर साल किया जाता है।

इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत सक्सेना, सचिव डॉ. अखिल तनेजा तथा कोषाध्यक्ष डॉ. अमित गोयल, कैलाश अस्पताल में एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर के समूह निदेशक डॉ. अनिल गुरनानी मौजूद थे।

डा. महेश शमाा ने कहा कि हाल ही में डॉक्टरों, विशेषकर गहन चिकित्सा इकाइयों (आईसीयू) में काम करने वालों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है। गहन देखभाल विशेषज्ञों का मानना है कि वे आसान लक्ष्य बन गए हैं। उन्होंने कहा कि समुदाय में गंभीर परिस्थितियों और जीवन बचाने के लिए आवश्यक तत्काल प्रतिक्रियाओं के बारे में जानकारी की काफी कमी है। उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारियों और गहन देखभाल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए समाज में इस तरह के आयोजन जरूरी है।

श्री राम लखन धार्मिक लीला

# राम के राज्यभिषेक के साथ रामलीला का समापन

**नोएडा (चेतना मंच)।** श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर 46 के ग्राउंड में रामलीला रविवार को रामलीला के 11 दिन भरत द्वारा अपने भाई रामचंद्र का अयोध्या में स्वागत करना और उनका धूमधाम से राज्य अभिषेक करने के बाद रामलीला मंचन का सफल संचालन हुआ।

इस अवसर पर समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नोएडा भाजपा के जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता, वरिष्ठ समाजसेवी पीयूष द्विवेदी द्वारा भाग लिया गया।

इस अवसर पर सुदेश गुप्ता डिप्टी एसपी यूपी पुलिस, राजीव गुप्ता डिप्टी एसपी अप पुलिस, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी राजीव मित्तल, ठाकुर नेपाल सिंह, डॉ वीके गुप्ता मौजूद रहे।

वहीं रामलीला में सहयोग देने वाले श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और पुलिस, प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियो और पत्रकार बंधुओ का आभार प्रकट किया वहीं रामलीला देखने आने वाले भक्तों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर आयोजक समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल सीएमडी प्रिया गोल्ड, वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, वाइस चेयरमैन पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार सिंघल, पंडित कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल, संदीप अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, सीए मनोज अग्रवाल,अनुज गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अभिषेक जैन, प्रदीप गुप्ता, पीयूष द्विवेदी, शरद कुमार सिंह, सीए राजीव जैन, राहुल गुप्ता, तेजेंद्र मलिक, सौरभ अग्रवाल, रोहिणी नगर, डॉक्टर मनोज अग्रवाल का रामलीला में विशेष सहयोग रहा।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति

# प्रभु श्रीराम का हुआ राज तिलक, अयोध्या में हर्ष

**नोएडा (चेतना मंच)।** भगवान श्री राम का अयोध्या में लौटना तथा अपनी माता का आशीर्वाद लेना व भरत मिलन होना तथा भरत द्वारा जो संकल्प था उसको पूरा करने के लिए भगवान श्री राम जी का राजतिलक हुआ और पूरे अयोध्या वासियों ने इस भगवान श्री राम का राज तिलक को भव्य रूप देकर और भगवान श्री राम की जय घोष की एवं लक्ष्मण और सीता माता आशीर्वाद लिया।

इसके बाद नोएडा स्टेडियम में डांडिया महोत्सव भी मनाया गया। समिति के लोगों ने और शहर वासियों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया। माँ दुर्गा को याद कर डांडिया महोत्सव में नाच गाकर 2024 के रामलीला के मंचन का विश्राम हुआ। कार्यक्रम में टी.एन. गोविल, टी.एन. चैरसिया, सुशील भारद्वाज, महासचिव एवं सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, मित्रा शर्मा, विनय शर्मा, अल्पेश गर्ग, मुकेश गर्ग, अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष संजय गोयल, स्वागत अध्यक्ष डा. पीयूष द्विवेदी, सौरभ अग्रवाल, डा. एस.पी. जैन, पंजाबी एकता समिति के अध्यक्ष विनीत मेहता, वीरेन्द्र मेहता, रामरत्न शर्मा, अशोक मिश्रा, पुनीत शुक्ला, राहुल बाली आदि काफी संख्या प्रभु श्रीराम के भक्तगण उपस्थित रहे।